website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 317 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत के शिपबिल्डिंग और मैरीटाइम इकोसिस्टम के लिए सरकार का 8 बिलियन डॉलर का पैकेज महत्वाकांक्षा का संकेत- पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से गुरुवार को केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के एक आर्टिकल को शेयर कर कहा गया कि 'मेक इन इंडिया' के साथ व्यस्त पूर्व-पश्चिम व्यापार मार्ग पर बंदरगाहों के आधुनिकीकरण से देश को लाभ हो रहा है।

पीएम मोदी ने केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कही ये बात

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल पर केंद्रीय मंत्री सोनोवाल के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए लिखा, "केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के इस मस्ट रीड आर्टिकल में केंद्रीय मंत्री समझाते हैं कि कैसे 'मेक इन इंडिया' के प्रोत्साहन से मजबूत इंडस्ट्री बेस के साथ व्यस्त पूर्व-पश्चिम व्यापार मार्ग पर बंदरगाहों के आधुनिकीकरण, मशीनीकरण और डिजिटलीकरण के प्रयासों ने देश को महत्वपूर्ण लाभ पहुंचाए हैं।"

उन्होंने आर्टिकल को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि इस आर्टिकल में केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने बताया है कि भारत के शिपबिल्डिंग और मैरीटाइम इकोसिस्टम को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार का 8 बिलियन डॉलर का पैकेज कोई सामान्य बजट नहीं, बल्कि महत्वाकांक्षा का संकेत है।

बदलाव के इस दौर में भारत अवसर और क्षमता के एक दुर्लभ संगम पर खड़ा है

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल एक्स हैंडल पर अपनी पोस्ट में अपने आर्टिकल का लिंक शेयर कर लिखते हैं, "इस आर्टिकल में मैंने समझाया है कि भारत कैसे ग्रीन शिपिंग की ओर वैश्विक बदलाव का नेतृत्व कर सकता है।" अपने इस न्यूजपेपर आर्टिकल में वे लिखते हैं कि ऊर्जा परिवर्तन में कभी पिछड़ा माना जाने वाला शिपिंग उद्योग आज बदलाव के मोड़ पर है। वे बताते हैं कि जलवायु कार्रवाई को लेकर उत्सर्जन मानकों को कड़ा करने की वैश्विक पहल तेज हो गई है। इसके साथ वित्तपोषक भी जीरो-कार्बन जहाजों और ईंधनों की ओर पूंजी पुनर्निर्देशित कर रहे हैं और तकनीक तेजी से आगे बढ़ रही है। बदलाव के इस दौर में भारत अवसर और क्षमता के एक दुर्लभ संगम पर खड़ा है।

भारत दुनिया भर में सबसे कम रिन्यूएबल एनर्जी लागत वाले देशों में से एक बन गया है

सोनोवाल अपने आर्टिकल में लिखते हैं कि मोदी सरकार ने रिन्यूएबल एनर्जी के लिए एक ठोस आधार तैयार करने की दिशा में काम किया है, जिसके परिणामस्वरूप भारत दुनिया भर में सबसे कम रिन्यूएबल एनर्जी लागत वाले देशों में से एक बन गया है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल के अनुसार, सरकार द्वारा हाल ही में 69,725 करोड़ रुपए(8 बिलियन डॉलर) के पैकेज को मंजूरी देना कोई सामान्य बजट नहीं, बल्कि महत्वाकांक्षा का संकेत है। बड़े पैमाने पर निवेश कर मोदी सरकार ने यह संदेश दिया है कि भारत कम कार्बन उत्सर्जन वाले शिपिंग की ओर वैश्विक बदलाव में एक सार्थक भूमिका निभाएगा।

SBI को न्यूयॉर्क बेस्ड ग्लोबल फाइनेंस से दो प्रतिष्ठित अवॉर्ड

-केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा-देश की ग्रोथ स्टोरी में अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने गुरुवार को कहा कि उसे न्यूयॉर्क बेस्ड ग्लोबल फाइनेंस से दो प्रतिष्ठित अवॉर्ड मिले हैं, जिसमें वर्ल्ड बेस्ट कंज्यूमर बैंक 2025 और बेस्ट बैंक इन इंडिया 2025 शामिल हैं। बैंक की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि हमारे अपने भारतीय स्टेट बैंक को ग्लोबल फाइनेंस, न्यूयॉर्क द्वारा 2025 के सर्वश्रेष्ठ बैंक अवॉर्ड समारोह में इसकी उत्कृष्ट सेवा और विश्वव्यापी ग्राहक विश्वास के लिए दो प्रतिष्ठित उपाधियों से सम्मानित किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "इस बहुप्रतीक्षित सम्मान के लिए समस्त एसबीआई परिवार को हार्दिक बधाई। वित्तीय समावेशन के प्रति एसबीआई की दृढ़ प्रतिबद्धता और समाज के हर वर्ग की सेवा के लिए उसके निरंतर प्रयास, भारत की ग्रोथ स्टोरी को आगे बढ़ाने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका का प्रमाण हैं।"

विश्व बैंक और आईएमएफ की वार्षिक बैठक 2025 के दौरान आयोजित ग्लोबल फाइनेंस अवार्ड समारोह में न्यूयॉर्क स्थित ग्लोबल फाइनेंस द्वारा यह अवॉर्ड प्रदान किया

गया।एसबीआई के समूह अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने कहा, "ग्लोबल फाइनेंस द्वारा एसबीआई की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को मान्यता दिए जाने से हम बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। 52 करोड़ ग्राहकों की सेवा करने और प्रतिदिन 65,000 नए ग्राहक जोड़ने के लिए टेक्नोलॉजी और डिजिटलीकरण में निवेश की आवश्यकता है।"

उन्होंने आगे कहा कि एक 'डिजिटल फर्स्ट, उपभोक्ता फर्स्ट' बैंक के रूप में, हमारा प्रमुख मोबाइल एप्लिकेशन 10 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है, जिसके 1 करोड़ दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। यह दोहरी मान्यता इनोवेशन, वित्तीय समावेशन और ग्राहक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध एक वैश्विक बैंकिंग अग्रणी के रूप में एसबीआई की स्थिति को मजबूत करती है।

एसबीआई ने एक बयान में कहा, "ये पुरस्कार तकनीकी नेतृत्व बनाए रखते हुए और भारत के विविध भौगोलिक परिदृश्य में सेवाओं का विस्तार करते हुए अपने व्यापक ग्राहक आधार को विश्व स्तरीय बैंकिंग अनुभव प्रदान करने में बैंक की सफलता को मान्यता देते हैं।"

इस महीने की शुरुआत में, एसबीआई ने बताया कि उसने वित्त वर्ष 2024 में 'एसएमई डिजिटल बिजनेस लोन' योजना शुरू होने के बाद से अगस्त 2025 तक 2.25 लाख एसएमई डिजिटल लोन प्रोसेस किए हैं, जिनकी कुल क्रेडिट सीमा 74,434 करोड़ रुपए है। इसमें 3,242 करोड़ रुपए के 67,299 एमएसएमई मुद्रा लोन की प्रोसेसिंग शामिल है।

UPI ने बनाया रिकॉर्ड, धनतेरस के दिन हुआ 1.02 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन

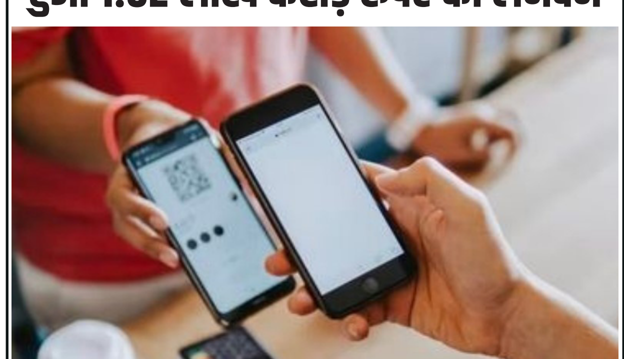

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) प्लेटफॉर्म से 18 अक्टूबर यानी धनतेरस के दिन 1.02 लाख करोड़ रुपए के लेनदेन हुए हैं और इस दौरान लेनदेन की संख्या 75.4 करोड़ रही है, जो कि एक दिन में लेनदेन का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। वित्त मंत्री ने कहा कि धनतेरस से दीपावली के तीन दिनों के दौरान यूपीआई पर औसत लेनदेन की संख्या 73.69 करोड़ रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 64.74 करोड़ थी। उन्होंने आगे कहा कि इस साल खुदरा विक्रेताओं के लिए दीपावली धमाकेदार रही है और जीएसटी दरों में कटौती से खपत में बढ़ोतरी हुई है, जिससे मध्यम वर्ग को इस त्योहारी सीजन में अपने बजट में ही अधिक शॉपिंग करने का मौका मिला है।

वित्त मंत्री ने आगे कहा कि लैब में तैयार हीरों से लेकर कैजुअल वियर और घरों को सजाने वाले उत्पादों तक, बाजार के बड़े और प्रीमियम दोनों सेगमेंट में तेजी आई। वित्त मंत्री ने आगे कहा, "इस सुधार ने स्लैब को युक्तिसंगत बनाकर और विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं पर दरें कम करके, परिवारों के लिए ठोस बचत प्रदान की है, जिससे खर्च योग्य आय बढ़ी है और मांग को प्रोत्साहित करने में मदद की है।"

अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) के अनुसार, नवरात्री से लेकर दीपावली तक चलने वाले फेस्टिव सीजन में गुड्स की बिक्री रिकॉर्ड 5.40 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान करीब 65,000 करोड़ रुपए की सर्विसेज भी ग्राहकों की ओर से खरीदी गई हैं। कैट की रिसर्च विंग, कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी के अनुसार, यह पिछले साल नवरात्रि से दीपावली की अवधि में हुई 4.25 लाख करोड़ रुपए की फेस्टिव सेल्स की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। सर्वेक्षण में बताया गया कि इसमें रिटेल की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत रही है। ऑफलाइन मार्केट में भी मांग अच्छी रही है।कन्फेक्शनरी, होम डेकोर, जूते-चप्पल, रेडीमेड कपड़े, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और दैनिक उपयोग की वस्तुओं जैसी प्रमुख उपभोक्ता और खुदरा श्रेणियों में जीएसटी दरों में कमी से मूल्य प्रतिस्पर्धा में काफी सुधार हुआ, जिससे खरीदारी में इजाफा हुआ है।

भारत दिखाएगा विज्ञान और नवाचार का भविष्य- जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि आज भारत दुनिया के मंच पर एक अनुयायी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास से भरा एक ऐसा नेता है, जो वैश्विक विज्ञान और नवाचार (Innovation) का भविष्य तय कर रहा है। उन्होंने "उभरता विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन (ESTIC 2025)" से पहले अपने आधिकारिक X अकाउंट पर एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि "यह सम्मेलन सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान और विचारों पर पकड़ का प्रतीक है। यह दिखाता है कि भारत अब अपनी दृष्टि को वैश्विक प्रभाव में बदलने की क्षमता रखता है।" मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी यात्रा आज दुनिया के लिए प्रेरणा बन गई है। उन्होंने बताया कि ESTIC 2025 में नोबेल पुरस्कार विजेता, उद्योग जगत के नेता, युवा नवप्रवर्तक, महिला उद्यमी और उभरते वैज्ञानिक एक साथ आएंगे। यह सम्मेलन "बुद्धिमत्ता और नवाचार

का संगम" होगा, जो विज्ञान और तकनीक की नई सीमाएं तय करेगा। डॉ. सिंह ने कहा कि इस आयोजन से भारत की स्थिति वैश्विक विज्ञान के क्षेत्र में और भी मजबूत होगी। उन्होंने आगे कहा, "ESTIC 2025 वह चिंगारी है जो महत्वाकांक्षा को प्रज्वलित करेगी। यही वह मंच है जहां बुद्धि और उद्योग एक साथ मिलकर 'विकसित भारत 2047' के सपने को आकार देंगे।" अंत में मंत्री ने सभी से आह्वान किया, "आइए, दुनिया को दिखाएं कि भारत सिर्फ विचारों में नहीं, बल्कि उन्हें साकार करने की शक्ति में भी आगे है।"

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल जर्मनी की मंत्री कैथरीना रीचे से मिले

-ग्रीन एनर्जी, टेक्नोलॉजी और डिफेंस पर हुई बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को जर्मनी की आर्थिक मामलों और ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीचे के साथ बर्लिन में बैठक की। दोनों नेताओं ने ग्रीन एनर्जी, न्यू और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी और डिफेंस पर भारत और जर्मनी के बीच सहयोग बढ़ाने पर बातचीत की। सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स'पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री गोयल ने लिखा, "बर्लिन में जर्मनी की आर्थिक मामलों और ऊर्जा मंत्री कैथरीना रीचे से मिलकर बहुत खुशी हुई। हमारी चर्चा व्यापार और निवेश के क्षेत्र में भारत-जर्मनी संबंधों को मजबूत करने, ग्रीन एनर्जी, नई

और उभरती टेक्नोलॉजी और डिफेंस सेक्टर में ज्वाइंट इंडस्ट्रियल और टेक्निकल साझेदारी पर केंद्रित रही। बातचीत में भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए जर्मनी की प्रतिबद्धता पर भी चर्चा हुई।" केंद्रीय मंत्री ने आगे लिखा कि मैंने बैठक में इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार भारत का विशाल प्रतिभा पूल, व्यापार में सुगमता के लिए हमारे प्रयासों के साथ मिलकर, जर्मन कंपनियों के लिए निवेश में विविधता लाने और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को मजबूत करने के लिए आकर्षक संभावनाएं प्रदान करता है। इसके अलावा, गोयल ने जर्मनी में एक राउंड टेबल बैठक में भी भाग लिया। एक अन्य पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जर्मन मिटेलस्टैंड (एसएमई) कंपनियों और भारतीय कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ एक राउंड टेबल बैठक में भाग लेकर काफी खुशी हुई। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि बैठक में इनोवेशन और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रमुख अवसरों पर प्रकाश डाला गया और भारतीय एवं जर्मन कंपनियों के बीच सहयोग, व्यापार एवं निवेश संबंधों को मजबूत करने, और पारस्परिक विकास के लिए मजबूत औद्योगिक साझेदारी बनाने के तरीकों पर चर्चा की गई। सरकारी बयान के मुताबिक, वर्ष 2025 भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी की 25वां वर्ष है। पीयूष गोयल 23 अक्टूबर से जर्मनी के दौरे पर हैं। केंद्रीय मंत्री की बर्लिन यात्रा जर्मनी के साथ भारत के जुड़ाव को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो द्विपक्षीय संबंधों की गहराई, लचीलेपन और दीर्घकालिक मजबूती को दिखाती है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में तेज़ आंधी-बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने गुरुवार को बताया कि बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में बना गहरा दबाव का क्षेत्र तीव्र हो गया है। इसके साथ ही अगले 24 घंटों में इसके उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों की ओर बढ़ने की आशंका है।

जैसे-जैसे यह चक्रवात तट के पास पहुंच रहा है, इससे जुड़ी बारिश का पैटर्न भी बदल गया है

आरएमसी के अनुसार, यह प्रणाली, जो शुरू में कम दबाव वाले क्षेत्र के रूप में विकसित हुई थी, बाद में एक अवदाब में बदल गई और बाद में एक गहरे अवदाब में बदल गई। हालांकि, पहले अनुमान था कि यह चक्रवात बन सकता है, लेकिन जमीन के करीब होने के कारण इसकी संरचना बिगड़ गई और यह चक्रवात नहीं बन सका। जैसे-जैसे यह चक्रवात तट के पास पहुंच रहा है, इससे जुड़ी बारिश का पैटर्न भी बदल गया है।

आने वाले दिनों में तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों में व्यापक बारिश, गरज-चमक और बिजली के साथ बारिश होने की संभावना

आने वाले दिनों में तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों में व्यापक बारिश, गरज-चमक और बिजली के साथ बारिश होने की संभावना है। आरएमसी ने कुछ क्षेत्रों में मध्यम से भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है।

साथ ही, चेन्नई, तिरुवल्लूर, चैंगलपट, कांचीपुरम और रानीपेट के लिए विशेष अलर्ट जारी किया है। इन जिलों के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की आशंका जताई गई है।

भारी बारिश की आशंका को देखते हुए तमिलनाडु सरकार ने तैयारियों को और तेज कर दिया है

भारी बारिश की आशंका को देखते हुए तमिलनाडु सरकार ने तैयारियों को और तेज कर दिया है। ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (जीसीसी) ने राहत और बचाव कार्यों के लिए 24 हजार से ज्यादा कर्मियों को तैनात किया है, 215 राहत शिविर स्थापित किए हैं और 106 सामुदायिक रसोई शुरू की हैं। जनता की शिकायतों का समाधान करने और बाढ़ राहत प्रयासों में समन्वय के लिए नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन सक्रिय कर दी गई हैं।

ऑनलाइन कंटेंट पर नियंत्रण के लिए 15 नवंबर से लागू होंगी नई गाइडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी एक्ट) 2000 में संशोधन करते हुए इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड 2021 में बड़े बदलावों की घोषणा की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी नई अधिसूचना के तहत यह संशोधन 15 नवंबर 2025 से प्रभावी होगा।

अधिसूचना के अनुसार, आईटी रूल्स 2021 के रूल 3(1)(डी) को पूरी तरह से बदल दिया गया है

सरकार ने यह कदम देश की संप्रभुता, अखंडता, राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और शालीनता से जुड़ी ऑनलाइन कंटेंट पर नियंत्रण को ज्यादा सख्त करने के उद्देश्य से उठाया है। अधिसूचना के अनुसार, आईटी रूल्स 2021 के रूल 3(1)(डी) को पूरी तरह से बदल दिया गया है।

नई गाइडलाइंस के तहत, प्लेटफॉर्म पर गैरकानूनी कंटेंट मिलने पर इंटरमीडियरी को इसे 36 घंटे में हटाना होगा

अब किसी भी इंटरमीडियरी प्लेटफॉर्म (जैसे सोशल मीडिया, वेबसाइट, ऑनलाइन सर्विस प्रोवाइडर आदि) पर यदि ऐसी कोई जानकारी, फोटो, वीडियो या कंटेंट मौजूद है जो किसी भी कानून के तहत निषिद्ध है। नई गाइडलाइंस

के मुताबिक, अगर किसी इंटरमीडियरी को ऐसी वास्तविक जानकारी मिलती है कि उसके प्लेटफॉर्म पर कोई गैरकानूनी या प्रतिबंधित कंटेंट है, तो उसे 36 घंटे के भीतर उसे हटाना होगा।

'वास्तविक जानकारी' केवल दो मामलों में मानी जाएगी: न्यायालय के आदेश से या सरकार/अधिकृत एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी की लिखित सूचना से

यह 'वास्तविक जानकारी' दो ही स्थितियों में मानी जाएगी। पहला, किसी सक्षम न्यायालय के आदेश से और दूसरा सरकार या उसकी किसी अधिकृत एजेंसी के किसी वरिष्ठ अधिकारी द्वारा जारी की गई लिखित सूचना के जरिए। यह सूचना केवल ऐसा अधिकारी दे सकेगा जो संयुक्त सचिव या उसके समकक्ष पद पर हो। अगर राज्य सरकार की ओर से जारी की जा रही है, तो वह अधिकारी डायरेक्टर या समकक्ष पद का होना चाहिए।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी ऐसी लिखित सूचनाओं की हर महीने समीक्षा की जाएगी

अगर यह सूचना पुलिस प्रशासन की ओर से दी जा रही है, तो अधिकारी का पद उप पुलिस महानिरीक्षक से नीचे नहीं होना चाहिए और उसे राज्य सरकार द्वारा विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए अधिकृत किया गया होना चाहिए। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी ऐसी लिखित सूचनाओं की हर महीने समीक्षा की जाएगी।

किसी भी लिखित सूचना में यह विवरण साफ-साफ बताया जाएगा कि किस कानूनी आधार और अधिनियम की धारा के तहत कार्रवाई की जा रही है

यह समीक्षा संबंधित विभाग के सचिव स्तर के अधिकारी द्वारा की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी आदेश आवश्यक, संतुलित और कानून की भावना के अनुरूप हैं। किसी भी लिखित सूचना में यह विवरण साफ-साफ बताया जाएगा कि किस कानूनी आधार और अधिनियम की धारा के तहत कार्रवाई की जा रही है, किस प्रकार का अवैध कार्य हुआ है और किस यूआरएल या डिजिटल लिंक को हटाना या ब्लॉक करना है।

देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए नौसेना सदैव तैयार: एडमिरल दिनेश त्रिपाठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में भारतीय नौसेना की कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 2025 शुरू हो चुकी है। इसकी शुरुआत नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी के संबोधन से हुई। उन्होंने नेवी के समर्पण, व्यावसायिक दक्षता और सतत प्रतिबद्धता की सराहना की। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रदर्शित उत्कृष्ट संचालन क्षमता को राष्ट्र के लिए गर्व का विषय बताया।

कॉन्फ्रेंस के पहले दिन एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय नौसेना क्षेत्र में राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा के लिए तत्पर, अनुकूल और सक्रिय रूप से काम कर रही है

कॉन्फ्रेंस के पहले ही दिन नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने मौजूदा भू-रणनीतिक परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय नौसेना राष्ट्रीय समुद्री हितों की रक्षा के लिए तत्परता, अनुकूलनशीलता और सक्रिय सहभागिता के माध्यम से क्षेत्र में अपनी भूमिका सशक्त रूप से निभा रही है।

हाल के महीनों में नौसेना ने कई सफल तैनातियां और संयुक्त अभियानों का प्रभावी संचालन किया है

उन्होंने कहा कि नौसेना पूरी तरह युद्ध के लिए सदैव तत्पर बल के रूप में उभर रही है। हाल के महीनों में नौसेना ने कई सफल तैनातियां और संयुक्त अभियानों का प्रभावी संचालन

किया है। एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना की बढ़ती क्षमताओं, नए अधिग्रहणों और तकनीकी प्रगति का उल्लेख किया। एडमिरल त्रिपाठी ने भारतीय नौसेना को एक विश्वसनीय फोर्स और पसंदीदा सुरक्षा साझेदार बताया। यानी भारतीय नौसेना आज एक ऐसी विश्वसनीय और सक्षम शक्ति के रूप में उभरी है, जिस पर क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय साझेदार भरोसा करते हैं।

नौसेना की शक्ति और मानव संसाधन, आवास, फिटनेस व कार्मिक कल्याण में हुए सुधारों की एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने सराहना की

उन्होंने नौसेना के संगठित शक्ति स्वरूप की सराहना करते हुए कहा कि मानव संसाधन में वृद्धि, बेहतर आवास सुविधाएं, शारीरिक फिटनेस और कार्मिक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। उन्होंने आईडीईएक्स जैसी पहलों की सफलता और 2047 तक पूर्ण आत्मनिर्भर नौसेना के लक्ष्य पर बल दिया।

एडमिरल त्रिपाठी ने सात प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता दोहराई

एडमिरल त्रिपाठी ने सात प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता दोहराई। इनमें युद्धक दक्षता, क्षमता विकास, फ्लीट मेंटेनेंस, नवाचार व नई तकनीकों का एकीकरण, मानव संसाधन विकास, संगठनात्मक चपलता और राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ तालमेल शामिल है।उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए कभी भी, कहीं भी और किसी भी परिस्थिति में तैयार है। सम्मेलन के पहले दिन वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने भी नौसेना के कमांडरों को संबोधित किया।

एडमिरल ने हिंद महासागर में नौसेना की भूमिका की सराहना की और तीनों सेनाओं के बीच संयुक्त अभियान, इंटरऑपरेबिलिटी और एकीकृत संचालन मजबूत करने पर जोर दिया

उन्होंने भारतीय नौसेना की हिंद महासागर क्षेत्र में निर्णायक भूमिका की सराहना की और सामान्य योजना, समन्वित अभियानों तथा संयुक्तता को सशक्त बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के बीच संयुक्त वायु अभियानों, इंटरऑपरेबिलिटी और एकीकृत संचालन को और मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

फिर बना सांसों पर संकट: प्रदूषण से जंग जीतने का वक्त अब आया है

उत्तर भारत के आसमान पर एक बार फिर प्रदूषण की मोटी परत छा गई है। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में हवा इतनी जहरीली हो चुकी है कि हर सांस अब हमारे फेफड़ों के लिए खतरा बन गई है। हवा में मौजूद सूक्ष्म धूलकण और जहरीली गैसें लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा असर डाल रही हैं। अस्पतालों में खांसी, सांस लेने में तकलीफ़ और एलर्जी से पीड़ित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर साल की तरह इस बार भी वही सवाल उठ रहा है — आखिर कब तक हम इस धुंध और धुएं में घुटते रहेंगे? कब तक हम प्रदूषण के असली कारणों से ध्यान हटाकर एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते रहेंगे? कभी पराली को दोष, कभी पटाखों को, तो कभी मौसम के बदलाव को। लेकिन हकीकत यह है कि प्रदूषण अब मौसमी नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में पराली जलाने को प्रदूषण फैलने की सबसे बड़ी वजह बताया जाता है। निस्संदेह यह एक गंभीर समस्या है, पर यह एकमात्र कारण नहीं है। शहरों में लगातार बढ़ते वाहनों का धुआं, उद्योगों से निकलती गैसें और निर्माण स्थलों से उड़ती धूल भी हवा को जहरीला बना रही हैं। दिल्ली-एनसीआर में लाखों वाहन रोजाना सड़कों पर उतरते हैं, जिनसे निकलने वाला कार्बन और नाइट्रोजन ऑक्साइड हवा में मिलकर स्मॉग की चादर बुनते हैं। सरकारों ने इस दिशा में कई कदम उठाने की कोशिश की है — जैसे ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP), निर्माण कार्यों पर रोक, पानी के छिड़काव और वाहनों की जांच। लेकिन जमीनी स्तर पर इन आदेशों का पालन अधूरा रहा। कई जगहों पर धूल नियंत्रण के उपाय नहीं अपनाए जाते, वहीं ट्रैफिक और औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्ती भी सीमित रहती है। नतीजा यह कि जैसे ही मौसम बदलता है, हवा की रफ्तार कम होती है और तापमान गिरता है, प्रदूषण फिर से सिर उठा लेता है। किसानों की बात करें तो वे भी इसे अपनी मजबूरी बताते हैं। फसल कटाई के बाद अगली बुवाई के लिए समय बहुत कम होता है, और पराली को खेत से हटाना महंगा और मुश्किल काम है। ऐसे में उसे जलाना ही उनके लिए आसान रास्ता बन जाता है। अगर सरकारें उन्हें पराली निपटाने के सस्ते और सुविधाजनक साधन दें — जैसे मशीनरी पर सब्सिडी, बायो-डिकम्पोज़र का प्रचार और पराली खरीद की नीति — तो किसान भी बेहतर विकल्प चुन सकते हैं। प्रदूषण पर काबू पाने के लिए केवल आदेशों या मौसमी कदमों से काम नहीं चलेगा। ज़रूरत है एक सामूहिक जिम्मेदारी की — सरकार, उद्योग, नागरिक और किसान सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी।

अतिक्रमणों के कारण कहीं कागज़ों में ही दफ़न न हो जाए हरियाली

-राजस्थान में वनभूमि पर कब्जा, राजनीतिक संरक्षण और माफिया तंत्र की साठगांठ ने 'हरित राजस्थान' के सपने को किया धूमिल

हरियाली किसी भी प्रदेश की आत्मा होती है। यह न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखती है, बल्कि प्रदेश की जलवायु, मिट्टी, जैव विविधता और जीवन की गुणवत्ता का आधार भी होती है। राजस्थान जैसे अर्ध-शुष्क राज्य के लिए तो हरियाली किसी वरदान से कम नहीं। लेकिन आज यही हरियाली अतिक्रमणों और अवैध खनन की बलि चढ़ रही है। सरकारी नीतियों के बावजूद, 'हरित राजस्थान' का सपना अब फाइलों और कागज़ों में ही सिमटता जा रहा है।

माफिया तंत्र और राजनीतिक संरक्षण का गठजोड़

राजस्थान में वनभूमि पर अतिक्रमण कोई नई समस्या नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी गति और भी तेज हो गई है। पिछले पाँच वर्षों में करीब 13,458 हेक्टेयर वनभूमि पर 12,225 से अधिक अतिक्रमण दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़े केवल किसी विभागीय रिपोर्ट का हिस्सा नहीं, बल्कि इस बात का सबूत हैं कि भू-माफिया और राजनेताओं की साठगांठ ने राज्य की प्राकृतिक संपदा को बर्बादी के कगार पर पहुँचा दिया है। यह भी साफ है कि इतनी बड़ी मात्रा में सरकारी भूमि पर कब्ज़ा बिना प्रशासनिक मिलीभगत के संभव ही नहीं। स्थानीय स्तर पर पटवारी से लेकर उच्च पदस्थ अफसर तक इस खेल का हिस्सा बने हुए हैं। राजनीतिक संरक्षण ने इन माफियाओं को इतना ताकतवर बना दिया है कि अब कोई अधिकारी इनके खिलाफ कार्रवाई करने से डरता है।

अतिक्रमण का फैलता दायरा

बारां, उदयपुर, सवाई माधोपुर, जोधपुर और बाड़मेर जैसे जिले इस संकट के सबसे बड़े उदाहरण हैं। यहाँ वनभूमि पर न केवल खेती-बाड़ी और बस्तियाँ उग आई हैं, बल्कि लक्ज़री फार्महाउस, रिसॉर्ट, और होटलों तक का निर्माण हो चुका है। रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान और अरावली पर्वत शृंखला जैसे संरक्षित इलाकों की सीमाओं तक पर भी अवैध निर्माण कर लिए गए हैं। जयपुर, अलवर और बाड़मेर में तो हालत यह है कि वनभूमि पर बाकायदा अवैध कॉलोनियां विकसित कर दी गई हैं। इन पर न केवल कब्ज़ा किया गया, बल्कि सिस्टम ने इन्हें बिजली, पानी और सड़क जैसी सुविधाएं तक उपलब्ध करा दीं। यानी अतिक्रमण को 'कानूनी वैधता' देने में सरकारी तंत्र ने खुद की भूमिका निभाई।

अवैध खनन से बिगड़ता संतुलन

राजस्थान की धरती खनिज संपदा से भरपूर है, लेकिन यह वरदान अब अभिशाप बन गया है। अलवर, भीलवाड़ा और उदयपुर जैसे इलाकों में अवैध खनन ने हजारों हेक्टेयर वनभूमि को बर्बाद कर दिया है। खनन माफिया पहाड़ों को खोखला कर रहे हैं, और जंगलों की जड़ों को काट रहे हैं। ट्रक, जेसीबी और क्रशर मशीनों की आवाज़ें अब पक्षियों के गीतों को निगल चुकी हैं। नदियों के किनारे रेत माफिया ने कब्ज़ा कर लिया है। कई जगह तो पूरा भू-परिदृश्य ही बदल गया है। सीबीआई और राजस्व विभाग की कई छापेमारियों में नेताओं और उनके रिश्तेदारों की संलिप्तता सामने आ चुकी है। यह साफ करता है कि अवैध खनन और कब्ज़े की यह कहानी सिर्फ अपराधियों की नहीं, बल्कि 'सिस्टम' की मिलीभगत का परिणाम है।

वन विभाग की सीमित कार्रवाई

वन विभाग की जिम्मेदारी केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। लेकिन जब विभाग खुद कमजोर पड़े तो जंगलों को बचाना असंभव हो जाता है। अब तक वन विभाग केवल 10 से 15 प्रतिशत अतिक्रमित भूमि ही मुक्त करा सका है। बाकी ज़मीनों पर कब्ज़े जस के तस हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादातर अतिक्रमण 'रसूखदारों' के हैं—वे लोग जो राजनीति, नौकरशाही या पैसे के बल पर कार्रवाई को रोक देते हैं।

घटता वन क्षेत्र: एक खतरनाक संकेत

राजस्थान में वर्तमान में कुल वन क्षेत्र सिर्फ 9.6% रह गया है। जबकि पर्यावरणीय दृष्टि से यह कम से कम 20% होना चाहिए। राज्य की आबादी और औद्योगिक विस्तार के मुकाबले यह अनुपात बेहद चिंताजनक है। इसका सीधा असर जलवायु परिवर्तन, सूखे की तीव्रता, भूजल स्तर और जैव विविधता पर पड़ रहा है। कई इलाकों में जल स्रोत सूख रहे हैं, और वन्यजीव अपने प्राकृतिक आवास छोड़कर गाँवों की ओर आने को मजबूर हैं।

वन्यजीवों पर संकट

जब जंगल घटते हैं, तो सबसे पहले असर वहां के जीवों पर पड़ता है। अरावली की पहाड़ियों में तेंदुए, रणथम्भौर में बाघ, और सरिस्का में हिरण जैसे जीव अब सीमित क्षेत्रों में सिमट गए हैं। अतिक्रमण और अवैध निर्माणों ने इनके रास्तों (corridors) को काट दिया है। नतीजतन, 'ह्यूमन-एनिमल कॉन्फ्लिक्ट' बढ़ रहा है — यानी जंगली जानवरों का इंसानी बस्तियों में प्रवेश और हिंसक घटनाओं में इज़ाफ़ा। बाघों के 'टेरिटोरियल एरिया' में रिसॉर्ट बन जाना और तेंदुओं के कॉरिडोर में सड़कें काट देना, न केवल उनकी सुरक्षा को खतरे में डालता है बल्कि पूरी इकोसिस्टम चेन को डिस्टर्ब कर देता है।

सिस्टम की भूमिका: आंख मूंदे अधिकारी

सवाल यह है कि जब अतिक्रमण इतने बड़े पैमाने पर हो रहे हैं, तो क्या सरकार को पता नहीं? जवाब है — पता है, मगर इच्छा शक्ति नहीं। स्थानीय प्रशासन, नगर निकाय और वन विभाग — सभी को यह जानकारी होती है कि कौन सी जमीन वनभूमि है और किस पर कब्ज़ा हो रहा है। लेकिन राजनीतिक दबाव के कारण अधिकारी या तो चुप रहते हैं या मामले को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। कई बार तो स्थिति यह होती है कि कब्ज़ाधारक 'लीगलाइजेशन' के नाम पर जुर्माना भरकर उस जमीन को अपने नाम करा लेते हैं। यही वजह है कि वनभूमि पर अवैध कब्ज़े हटाने की प्रक्रिया धीमी और जटिल है।

कानून है, पर लागू कौन करे?

भारत में वन संरक्षण के लिए कई मजबूत कानून हैं — वन संरक्षण अधिनियम 1980, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, जैव विविधता अधिनियम 2002
लेकिन इन कानूनों की असली ताकत तभी है जब उन्हें सख्ती से लागू किया जाए। राजस्थान में इन कानूनों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई तो होती है, मगर अक्सर यह सिर्फ 'कागज़ी' कार्रवाई होती है। अदालतों में मामले सालों तक लटके रहते हैं और इस बीच अतिक्रमणकारी अपनी जड़ें और मजबूत कर लेते हैं।

पारदर्शी नीतियों की ज़रूरत

सरकार को चाहिए कि वह भूमि से जुड़ी सूचनाओं को डिजिटाइज़ करे। हर जिले की वनभूमि का जीआईएस मैपिंग कराए ताकि यह स्पष्ट रूप से दिख सके कि कौन-सा इलाका संरक्षित है। साथ ही, ऑनलाइन पब्लिक पोर्टल के ज़रिए नागरिकों को भी इसकी निगरानी में शामिल किया जाए। यदि किसी भी इलाके में अवैध निर्माण होता है, तो उसकी तुरंत ऑनलाइन रिपोर्टिंग और ड्रोन सर्वे के ज़रिए सबूत जुटाए जाएं। यह कदम न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगा बल्कि अतिक्रमण के खिलाफ सामाजिक दबाव भी बनाएगा।

स्थानीय समुदायों की भागीदारी

जंगलों की असली सुरक्षा तब होगी जब स्थानीय लोग खुद इसके प्रहरी बनेंगे। गाँवों और पंचायतों को 'वन संरक्षक समितियों' के रूप में अधिकार दिए जाएं। स्थानीय जनजातियों, चरवाहों और किसानों को वन संरक्षण योजनाओं में साझेदार बनाया जाए। उन्हें बताया जाए कि पेड़ों और जैव विविधता की रक्षा उनके भविष्य के लिए क्यों ज़रूरी है। जब समाज खुद जागरूक होगा, तब माफिया और राजनीति का गठजोड़ भी टूटेगा।

एकजुटता का भ्रम: फिलिस्तीन समर्थन पर लाठीचार्ज से पाकिस्तान की नैतिक हार

-इस्लामाबाद की दोहरी नीति: बाहर हमदर्दी, भीतर दमन का खेल

जब हम यह देखते हैं कि Palestine के लिए एकजुटता जताने वाली आवाज़ें केवल प्रतीक और घोषणा तक सीमित रह जाती हैं — जबकि उसी देश में, Pakistan में, जब लोग उसी एकजुटता का सार्वजनिक प्रदर्शन करना चाहते हैं, तो उन्हें लाठी, आंसू गैस, गिरफ्तारियाँ और दमन का सामना करना पड़ता है — तो यह सिर्फ विरोध प्रदर्शन नहीं है, बल्कि एक गहरी नैतिक विडंबना (वही "मोरल हाइपोक्रेसी") है। आज हम इस विडंबना को कई कोणों से देखने की कोशिश करेंगे: पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय नीतियों, उसकी घरेलू राजनीति, सैनिक एवं सत्ता संरचना की भूमिका, और नागरिक समाज की स्थिति।

देश की घोषणाएं और अंतरराष्ट्रीय इमेज

पाकिस्तान ने वर्षों से खुद को मुसलिम उम्मा का रक्षक बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी है — वह न सिर्फ गोपनीय श्लेष अनुभवों में बल्कि सार्वजनिक मंचों और अंतरराष्ट्रीय बैठकों में भी बार-बार यह कहता रहा है कि वह Gaza, रामल्लाह, यरुशलम या अन्य फिलिस्तीनी इलाकों में हुए हलाखों (atrocities) की निंदा करता है। उदाहरण के लिए, 2025 में पंजाब प्रांत के कई शहरों में यह देखा गया कि दुकानों ने बंदी (शटर डाउन) की और ट्रेडर्स ने एकजुटता जताई; इस प्रकार, बयानों की भाषा और प्रतीकात्मक समर्थन प्रचुर मात्रा में हैं। लेकिन समस्या यह है — जब वही "एकजुटता" घर के भीतर लागू होती है— यानि नागरिक यह दिखाना चाहते हैं कि "हम शोषितों के साथ हैं" — तो राज्य का रवैया बदल जाता है।

घरेलू दृश्य और विरोध प्रदर्शन

शांतिपूर्ण प्रदर्शन और उनका क्रम

पाकिस्तान में कई मौकों पर नागरिक, छात्र-संगठन, धार्मिक समूहों ने फिलिस्तीनी लोगों के समर्थन में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किए हैं। उदाहरण के लिए: अप्रैल 2025 में पंजाब के विभिन्न जिलों में दुकानों ने बंदी की, व्यापारिक समाज ने समर्थन जताया। यूनिवर्सिटी परिसर में छात्रों ने मार्च निकाला, बैनर लगाए, और कहा कि "इजरायल इतिहासिक रूप से अवैध कब्जे का हिस्सा है"।

लाहौर में हालिया संघर्ष

हालाँकि, अक्टूबर 2025 में लाहौर में हुए प्रदर्शन ने स्थिति को एक नए मोड़ पर ले जाया। Tehreek e Labbaik Pakistan (TLP) नामक राजनीतिक-धार्मिक संगठन ने "ग़ाज़ा एकजुटता मार्च" की शुरुआत की। उनका इरादा था लाहौर से इज़राइल विरोधी नारे लगाते हुए राजधानी Islamabad तक मार्च करना। लेकिन: पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने मुख्य मार्गों को ब्लॉक कर दिया, इंटरनेट सशर्त अवरुद्ध किया गया। लाठीचार्ज, आंसू गैस, रबर बुलेट्स का इस्तेमाल हुआ, प्रदर्शनकारियों व पुलिस के बीच झड़प हुई। प्रदर्शन शांतिपूर्ण शुरुआत था, लेकिन स्थिति बिगड़ गई।

अस्वीकृति का संकेत

यह संकेत देता है कि सरकार और शक्ति-संरचनाएँ — जब तक प्रदर्शन नियंत्रित, प्रतीकात्मक या "मनोरंजन योग्य" हैं — तब तक उन्हें स्वीकार्य समझती हैं; लेकिन जब प्रदर्शन व्यापक, स्वतःस्फूर्त हो, या सत्ता को असमर्थित स्थिति दिखाए — तब इसे डरावना माना जाता है और दबाया जाता है।

सत्ता, सेना और नीति में द्विध्रुविता

विदेश नीति बनाम आंतरिक व्यवहार

पाकिस्तान की विदेश नीति में वह मसलों को उठाती है — जैसे फिलिस्तीन-इज़रायल संघर्ष, मुसलमानों के अधिकार, इत्यादि। लेकिन आंतरिक तौर पर जब वही जनता इन मसलों पर सचेत होता है — तो उसे नियंत्रित किया जाता है। यह "दोहरी नीति" (double standard) है।

सेना और सत्ता का योगदान

सेना, जिसे अक्सर देश में एक निर्णायक शक्ति माना जाता है, ने स्वयं को "मुस्लिम संसार की दीवार" और "पश्चिमी साम्राज्यवाद विरोधी धुरी" के रूप में पेश किया है। लेकिन जब उसकी व्यवस्था के अंतर्गत लोग-जनता बाहर निकलता है — तब वही सेना या उसके समर्थक इकाइयाँ "सभी प्रकार के विरोध" को राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर दबाती हैं।

पाखंड का खुलासा

यहाँ पाखंड का मूल मुद्दा है: विदेशों में बड़ी भाषा, मौकों पर बड़बोले समर्थन, लेकिन घरेलू स्तर पर जब वही भावना गहरी होती है, तब राज्य उसे नियंत्रित करता दिखता है। इस तरह पाखंड की दो परतें बन जाती हैं — बयानबाजी और व्यवहार।

नागरिक समाज, छात्रों और प्रदर्शनकारियों की स्थिति

जमीनी समर्थन

बहुत से ट्रेडर्स, छात्र-गुट, सामाजिक कार्यकर्ता लोगों ने यह दिखाने की कोशिश की कि उन्हें फिलिस्तीनी पीड़ितों के प्रति संवेदना है। उदाहरण के लिए बंदी (शटर डाउन) की गई, बैनर लहराए गए। लेकिन वे यह दिखाना चाहते थे कि सिर्फ बयान नहीं, कार्रवाई भी हो सकती है।

विरोध का जोखिम

जब नागरिक प्रदर्शन की तरफ बढ़ते हैं — तो उन्हें पता होता है कि यह सिर्फ यात्रा नहीं, बल्कि राज्य-द्वारा निगरानी और दमन का सामना हो सकता है। एक Reddit यूज़र ने लिखा है: "Our government is actively discouraging Palestinian protests ... कोई फायदा नहीं होगा।" वास्तव में, जब मौजूदा व्यवस्था को लगता है कि प्रदर्शन उसे चुनौती दे सकता है — चाहे वह कितनी भी 'निष्पक्ष' या 'शांतिपूर्ण' क्यों न हो — तो प्रतिक्रिया कठोर हो जाती है। यह स्थिति नागरिकों के लिए एक संकुचन-क्षेत्र बनाता है: उन्होंने संवेदनशीलता दिखाई, शब्दों में समर्थन दिया — लेकिन जब वे सार्वजनिक प्रदर्शन की दिशा गए, तो उन्हें "खतरे की श्रेणी" में डाल दिया गया।

अर्थशास्त्र, राजनीतिक अस्थिरता और दमन की निरंतरता

सरकार की वैधता संकट में: शहबाज़ शरीफ की सरकार पहले से ही आर्थिक विकर्षण, राजनीतिक अस्थिरता और एसएमई (small & medium enterprises) के संकट से जूझ रही है। ऐसे में कोई भी बड़े पैमाने पर आंदोलन या विरोध-प्रदर्शन सत्ता के लिए "अनियंत्रित" और "अनचाहा" माना जाता है।

दमन का राजनीतिक पैमाना: दमन सिर्फ एक घटना नहीं बल्कि रणनीति बन चुकी है — विरोध को नियंत्रित करना, उसे प्रारंभ में ही कुचलना, जनता को यह संदेश देना कि "शांतिपूर्ण प्रदर्शन भी राज्य को असहज करता है।"

नैतिक चुनौती

उन सरकारों का सामना करना मुश्किल हो जाता है, जो एक ओर अंतरराष्ट्रीय मंच पर नैतिक ऊँचाई अपनाती हैं, दूसरी ओर अपने नागरिकों की आवाज़ दबाती हैं। इससे न सिर्फ सामाजिक-विश्वास कमजोर होता है, बल्कि बाहरी दुनिया में भी संदेश मिलता है — हमारा समर्थन वक्तव्य तक सीमित है। अगर किसी देश ने कथित रूप से "उम्मा का रक्षक" बनने का दावा किया है, तो उसे चाहिए कि यह दावा घरेलू स्तर पर भी प्रमाणित हो — यानि नागरिकों को अपने विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता मिले।

भाषायी विरासत : विलुप्त होती बोलियों के बीच पहचान और संस्कृति को बचाने की जद्दोजहद

-भाषाएं केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, सभ्यता और पहचान की जीवंत अभिव्यक्ति हैं

भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि किसी समाज की पहचान, संस्कृति और भावनात्मक विरासत की जीवंत अभिव्यक्ति होती है। यह वह माध्यम है जिसके ज़रिए एक पीढ़ी अपनी सोच, परंपरा, ज्ञान और मूल्य अगली पीढ़ी तक पहुँचाती है। जब कोई भाषा या बोली समाप्त होती है, तो उसके साथ न केवल कुछ शब्द या व्याकरण खो जाते हैं, बल्कि एक पूरी सभ्यता का अनुभव, उसकी संवेदनाएं और उसका इतिहास भी मिट जाता है। भारत जैसा देश, जो भाषाई और सांस्कृतिक विविधता का जीवंत उदाहरण है, वहां हर कुछ किलोमीटर पर भाषा, लहजा और बोली बदल जाती है। यहां की भाषाएं और बोलियां देश की आत्मा में रची-बसी हैं। लेकिन दुख की बात यह है कि आज वही भाषाएं और बोलियां, जिनके सहारे हमारी संस्कृति ने सदियों तक सांस ली, अब विलुप्ति के कगार पर खड़ी हैं।

भाषा: पहचान का जीवंत दस्तावेज़

किसी भी समाज की भाषा उसकी पहचान का सबसे सशक्त प्रतीक होती है। भाषा केवल विचारों को व्यक्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि वह समाज की जीवनशैली, सोच, कला, संगीत, विश्वास और इतिहास को भी साथ लेकर चलती है। जब हम अपनी मातृभाषा में सोचते या बोलते हैं, तो हम अपने परिवेश और अपनी परंपरा से गहराई से जुड़े होते हैं। उदाहरण के तौर पर, राजस्थान की मारवाड़ी भाषा केवल एक बोली नहीं, बल्कि वहां के लोकगीतों, कहानियों, हास्य-विनोद और लोककथाओं की आत्मा है। इसी तरह बघेली, निमाड़ी, अंगिका, छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी, गढ़वाली, कुमाऊँनी जैसी बोलियां अपने-अपने क्षेत्रों की सांस्कृतिक आत्मा को संजोए हुए हैं। लेकिन जब नई पीढ़ी इन बोलियों को अपनाना छोड़ देती है, तो यह केवल शब्दों का खोना नहीं होता — यह अपनी जड़ों से कट जाने की शुरुआत होती है।

विलुप्त होती भाषाएं: यूनेस्को की चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में लगभग 7,000 भाषाएं बोली जाती हैं, लेकिन उनमें से आधी से अधिक भाषाएं इस सदी के अंत तक लुप्त हो सकती हैं। भारत की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। यहां लगभग 780 भाषाएं बोली जाती हैं, मगर भारतीय जनगणना में केवल 122 भाषाओं को ही आधिकारिक मान्यता मिली है। यानी सैकड़ों ऐसी भाषाएं हैं, जो सरकारी रिकॉर्ड में भी दर्ज नहीं हैं। यूनेस्को के अनुसार भारत की लगभग 250 भाषाएं पिछले कुछ दशकों में विलुप्त हो चुकी हैं। यह केवल आंकड़ा नहीं है, बल्कि उन समुदायों की सांस्कृतिक मृत्यु का प्रतीक है, जिनकी पहचान उन भाषाओं से जुड़ी थी।

वैश्वीकरण और तकनीकी युग की चुनौती

आज का दौर वैश्वीकरण और तकनीकी युग का है। इंटरनेट, मोबाइल और सोशल मीडिया ने पूरी दुनिया को एक वैश्विक गांव में बदल दिया है। यह परिवर्तन जहां संचार को आसान बना रहा है, वहीं भाषाई विविधता के लिए गंभीर खतरा भी बन गया है। अब बच्चे अंग्रेज़ी या हिंदी में बात करना "आधुनिकता" का प्रतीक समझते हैं। स्कूलों में स्थानीय बोलियों का स्थान घट गया है। गांवों और छोटे शहरों में भी लोग अपनी मातृभाषा की जगह "मुख्यधारा" की भाषाएं बोलने में गर्व महसूस करते हैं। टीवी, ओटीटी और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रमुख भाषाओं का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि छोटी बोलियां धीरे-धीरे घरों से गायब हो रही हैं। एक अनुमान के अनुसार, हर दो सप्ताह में एक भाषा इस धरती से हमेशा के लिए मिट रही है।

भाषाओं का लोप: संस्कृति पर असर

भाषा का लोप केवल संवाद का संकट नहीं लाता, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति का ह्रास भी कर देता है। हर बोली में लोकगीत, कहावतें, मुहावरे, लोककथाएं और पारंपरिक ज्ञान छिपा होता है। जब वह बोली खत्म होती है, तो इन सबका अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाता है। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ की हल्बी और गोंडी बोलियों में ऐसी अनेक कहावतें और लोकगीत हैं जो जंगलों, ऋतुओं और लोकदेवताओं से जुड़े हैं। इन्हें न तो किसी किताब में पाया जा सकता है, न ही किसी विश्वविद्यालय में पढ़ाया जाता है। यह ज्ञान पीढ़ियों से बोलचाल के माध्यम से ही आगे बढ़ता रहा है। जब बच्चे अपनी मातृभाषा में नहीं बोलते, तो वे अपनी संस्कृति की कहानियों, लोकसंगीत, रीति-रिवाजों और जीवन-दर्शन से दूर होते चले जाते हैं। यही कारण है कि भाषा का क्षय, संस्कृति के क्षय से जुड़ा हुआ है।

नई पीढ़ी और भाषाई अस्मिता

नई पीढ़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह आधुनिकता की दौड़ में अपनी भाषाई जड़ों से न कटे। शिक्षा, नौकरी और तकनीक की भाषा चाहे अंग्रेज़ी या हिंदी हो, लेकिन मातृभाषा हमारी सोच और संवेदना की भाषा है। बच्चे जब अपनी भाषा में सीखते हैं, तो वे विषयों को गहराई से समझ पाते हैं। भारत सरकार की नई शिक्षा नीति (NEP 2020) ने भी इस बात पर ज़ोर दिया है कि प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा या स्थानीय भाषा में दी जानी चाहिए। इससे न केवल शिक्षा का स्तर बढ़ेगा, बल्कि भाषाई विविधता भी संरक्षित रहेगी। लेकिन यह तभी संभव है, जब माता-पिता घर में अपनी मातृभाषा को बोलने और बच्चों को सिखाने का संकल्प लें। भाषा का पहला विद्यालय घर ही होता है। अगर घर में बोली नहीं जाएगी, तो किताबों और नीतियों से भाषा को जिंदा नहीं रखा जा सकता।

एआई और तकनीक: खतरा या सहारा?

कई विशेषज्ञ मानते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और डिजिटल तकनीक ने भाषाई विविधता को नुकसान पहुंचाया है, लेकिन यही तकनीक आज भाषा संरक्षण का सहारा भी बन सकती है। AI के ज़रिए अब बोली आधारित अनुवाद, ऑडियो रिकॉर्डिंग, वॉयस रिकग्निशन और भाषाई डेटाबेस तैयार किए जा रहे हैं। जैसे, गूगल ट्रांसलेट में आज भारतीय भाषाओं के कई विकल्प मौजूद हैं। यदि स्थानीय समुदाय अपनी बोलियों को डिजिटल रूप में रिकॉर्ड करें, उनके लोकगीत, मुहावरे और कहावतें इंटरनेट पर अपलोड करें, तो वे आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर बन सकते हैं। कई विश्वविद्यालय अब भाषाई अभिलेखागार (linguistic archives) तैयार कर रहे हैं, जिसमें लुप्त होती भाषाओं की शब्दावली और व्याकरण को संरक्षित किया जा रहा है।

विकसित देशों की तर्ज पर सुविधाओं का किया जाएगा विस्तार

-समावेशी विकास से 4.3 ट्रिलियन डॉलर की बनेगी अर्थव्यवस्था

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया है। उनके इस लक्ष्य में अपना योगदान देने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान/2047 के संकल्प को लेकर कार्य कर रही है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में विकसित राजस्थान/2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है। युवा, महिला, किसान और गरीब को केन्द्र में रखते हुए यह दस्तावेज विकसित भारत/2047 की आंकाक्षाओं के अनुरूप राजस्थान का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित करेगा। गत अगस्त माह में सम्पन्न हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस विजन डॉक्यूमेंट का अनुमोदन भी कर दिया गया है।

कृषि, उद्योग, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा बनेंगे विकास का प्रमुख आधार —
विजन डॉक्यूमेंट में कृषि, उद्योग, पर्यटन और नवीकरणीय ऊर्जा को प्रमुख आधार बनाते हुए प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर बनाने की परिकल्पना की गई है। इस प्लान के मुताबिक प्रदेश में विकसित देशों की तर्ज पर सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। इसके साथ ही, शत-प्रतिशत साक्षरता, सुलभ स्वास्थ्य, सतत जल प्रबंधन, स्मार्ट शहरीकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं युवा व महिला सशक्तीकरण के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में योजनाबद्ध रूप से कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार ने वर्ष 2047 के दूरगामी लक्ष्य को हासिल करने के लिए चरणबद्ध रूप से विकास की रूपरेखा बनाई है। इसके लिए वर्ष 2030, 2035 और 2040 के मध्यावधि लक्ष्य भी तय किए गए हैं। इस प्रकार विभिन्न चरणों में आकार लेते हुए राज्य के विकास की तस्वीर पूर्ण होगी।

4 थीम और 13 सेक्टर्स पर आधारित है

विजन डॉक्यूमेंट —
विकास के इस दस्तावेज को प्रमुख रूप से 4 थीम्स और 13 सेक्टर्स में बांटा गया है। पहली थीम जन कल्याण एवं सामाजिक सशक्तीकरण पर आधारित है, जिसमें कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण को शामिल किया गया है। दूसरी थीम त्वरित विकास, समृद्धि एवं रोजगार सृजन पर आधारित है, जिसमें उद्योग, खनन व आर्थिक वृद्धि के साथ ही, पर्यटन एवं सांस्कृतिक विकास को जोड़ा गया है। डॉक्यूमेंट की तीसरी थीम भविष्य उन्मुख राजस्थान, आधारभूत अवसंरचना और सतत विकास पर आधारित है। इसमें आधारभूत विकास, जल सुरक्षा एवं अनुकूलता तथा पर्यावरण स्थायित्व व जलवायु अनुकूलता जैसे सेक्टर्स को समाहित किया गया है। इसका चौथा विषय नीति, वित्त और शासन के विजन को समेटे हुए हैं, जिसमें ग्रामीण और शहरी विकास, प्रभावी शासन व्यवस्था, सार्वजनिक सेवाएं और वित्तीय प्रबंधन व आर्थिक नीति को जोड़ा गया है।

विकसित देशों के पैरामीटर्स पर तय किए विकास लक्ष्य —
विजन डॉक्यूमेंट में राज्य के विकास लक्ष्य का आधार दुनिया के विकसित देशों के विभिन्न क्षेत्रों में हासिल पैरामीटर्स को माना गया है। उदाहरण के लिए जर्मनी का क्षेत्रफल और वहां की जनसंख्या राजस्थान के लगभग बराबर है। यदि जर्मनी के सकल राज्य मूल्य वर्धन में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी देखी जाए तो 2024 में वहां यह 19.7 प्रतिशत रही। राजस्थान ने भी वर्ष 2047 तक आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के लिए राज्य के सकल राज्य मूल्य वर्धन में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। स्वास्थ्य एवं कल्याण के क्षेत्र की बात करें तो राज्य सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक प्रदेश के नागरिकों की जीवन प्रत्याशा 77 वर्ष तक पहुंचाना और शिशु मृत्यु दर प्रति 1 हजार शिशुओं पर 10 से नीचे लेकर आना है। इसी प्रकार शिक्षा प्रणाली को आधुनिक रूप देते हुए राज्य के प्रत्येक स्कूल में 100 प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना और विद्यालय को कम्प्यूटर युक्त स्मार्ट विद्यालय में विकसित करना है। राज्य सरकार सामाजिक सशक्तीकरण एवं समावेशन के लिए महिलाओं, युवाओं एवं वंचित समुदायों पर केन्द्रित नीतियों को आधार बनाते हुए राज्य को सामाजिक रूप से सशक्त राज्य बनाने की योजना पर कार्य कर रही है। पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर महिलाएं भी राज्य के विकास में अपना योगदान दे सकें, इसके लिए कार्यस्थलों पर महिलाओं की भागीदारी 60 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य तय किया गया है। राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार हमारी प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के साथ ही, प्रदेश को वैश्विक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए कार्य कर रही है। सरकार की मंशा है कि देश में पर्यटकों के आवागमन में राज्य की भागीदारी 15 प्रतिशत कर राजस्थान को पर्यटन क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाया जाए।

राष्ट्रीय पोषण माह 2025 में राजस्थान को मिला दूसरा स्थान

-उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राष्ट्रीय पोषण माह 2025 में राजस्थान के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर दी बधाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में राजस्थान महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर महिला एवं बाल विकास की विभिन्न योजनाओं में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया जा रहा है। राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में नम्बर वन और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में भी नम्बर वन रहने के बाद और राष्ट्रीय पोषण माह 2024 के चौथे स्थान के पिछले प्रदर्शन को और बेहतर प्रदर्शन करते हुए इस बार (17 सितम्बर से 16 अक्टूबर 2025) राष्ट्रीय पोषण माह 2025 में राजस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर महिला एवं बाल विकास विभाग (निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं) को बधाई दी है। महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने बताया कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रभावी रणनीति, जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों, तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की निष्ठा व समर्पण का परिणाम है। महेन्द्र सोनी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रवार रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान ने इस माह के लिए निर्धारित 81,01,730 लक्ष्यों के मुकाबले 88,93,346 उपलब्धियाँ दर्ज की हैं, जिससे राज्य की कुल उपलब्धि दर 114.12 प्रतिशत रही। उन्होंने बताया कि इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से राजस्थान ने अपने 41 जिलों और 62,321 आंगनबाड़ी केंद्रों के सहयोग से पोषण माह को एक जनआंदोलन के रूप में सफल बनाया है। राष्ट्रीय स्तर पर गुजरात 115.74 प्रतिशत के साथ प्रथम, राजस्थान 114.12 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा छत्तीसगढ़ 108.30 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर है।

राज्यभर में विविध गतिविधियों का आयोजन-
निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत ने यह संकल्प दोहराया कि आने वाले महीनों में भी पोषण से जुड़ी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा ताकि राजस्थान कुपोषण मुक्त राज्य बनकर देश के लिए उदाहरण प्रस्तुत कर सके। पोषण माह 2025 के दौरान राजस्थान के विभिन्न जिलों में जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता, गृह भ्रमण, पौष्टिक आहार वितरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परामर्श, और "सुपोषित राजस्थान" के लक्ष्य को साकार करने हेतु अनेक अभिनव गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

पोषण माह 2025 की प्रमुख थीम्स के अनुरूप राज्यभर में विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें शामिल हैं-

- मोटापे की समस्या का समाधान
- चीनी और तेल का सेवन कम करना
- प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ECCE)
- शिशु और छोटे बच्चों के आहार के तरीके (IYCF)

पोषण में पुरुषों की भागीदार इसे बढ़ावा देना
'वोकल फॉर लोकल' और डिजिटलीकरण पर विशेष जोर
महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार ने इस सफलता में योगदान देने वाले सभी जिला अधिकारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा सहयोगियों और स्थानीय समुदायों के प्रति आभार व्यक्त किया है। विभाग ने कहा है कि यह उपलब्धि "सुपोषित भारत, स्वस्थ भारत" के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

17 अक्टूबर 2025 तक प्राप्त प्रविष्टियों के आधार पर राजस्थान के शीर्ष पाँच जिले निम्नलिखित हैं -

1.जोधपुर – कुल प्रविष्टियाँ: 3,37,081
2.कोटा – कुल प्रविष्टियाँ: 2,19,028
3.बीकानेर – कुल प्रविष्टियाँ: 2,54,243
4.चूरू – कुल प्रविष्टियाँ: 2,81,533
5.हनुमानगढ़ – कुल प्रविष्टियाँ: 2,07,081

इन जिलों ने न केवल निर्धारित लक्ष्यों को पार किया बल्कि सामुदायिक सहभागिता और नवाचार के माध्यम से पोषण माह को जन-जन तक पहुँचाने में अग्रणी भूमिका निभाई। उदाहरणस्वरूप, जोधपुर जिले ने 134.98 प्रतिशत उपलब्धि दर के साथ राज्य में शीर्ष स्थान प्राप्त पर है, जबकि कोटा, बीकानेर, चूरू और हनुमानगढ़ ने भी 125 प्रतिशत से अधिक की उपलब्धि दर्ज की है।

भव्य लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित

-"राष्ट्र के लिए विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षा के मंदिरों में ही संभव है" — मदन दिलावर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बालोतरा जिले के सिणधरी स्थित विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर में आज नवनिर्मित भवन का लोकार्पण संतो के सानिध्य में बड़े धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेश के कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, उद्योग राज्य मंत्री के.के. बिश्नोई, एवं विधायक हमीर सिंह भायल उपस्थित रहे।

समारोह में भामाशाह समन्द्र सिंह नौसर सहित संस्थान को सहयोग देने वाले अन्य भामाशाहों को श्रीराम चित्र और श्रीरामचरितमानस भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि "राष्ट्र के लिए विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास शिक्षा के मंदिरों में ही संभव है।" उन्होंने राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे नवाचारों को लेकर विस्तार से चर्चा की और कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को संस्कारों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा और राष्ट्रभक्ति की भावना का केंद्र हैं। कार्यक्रम में संत-महात्माओं ने भी आशीर्वचन दिए और विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, सेवा और संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी।

पचपदरा विधानसभा क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को मिला प्रोत्साहन

-विधायक डॉ. अरुण चौधरी एवं मंत्री मदन दिलावर ने युवा खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पचपदरा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. अरुण चौधरी ने कल्याणपुर मंडल क्षेत्र के दौरे के दौरान आयोजित "सांसद खेलकूद प्रतियोगिता – मंडल स्तरीय कार्यक्रम" में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायती राज्य मंत्री मदन दिलावर ने विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर कार्यक्रम की गरिमा को और अधिक वृहद् बनाया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों युवा खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विधायक डॉ. अरुण चौधरी ने प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए कहा कि –
"ग्राम्य अंचलों की प्रतिभाएँ यदि उचित मार्गदर्शन और मंच प्राप्त करें तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन कर सकती हैं। राज्य सरकार द्वारा खेल अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने हेतु अनेक योजनाएँ क्रियान्वित की जा रही हैं, जिनका लाभ क्षेत्रीय युवाओं को मिलेगा।" शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी युवाओं को खेलों के माध्यम से अनुशासन, परिश्रम और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि – "खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण का सशक्त साधन हैं।" कार्यक्रम के दौरान विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया तथा भविष्य में उन्हें बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का आश्वासन भी प्रदान किया गया। विधायक डॉ. चौधरी ने कहा कि पचपदरा विधानसभा क्षेत्र में खेल के प्रति उत्साह और ऊर्जा को देखकर यह स्पष्ट होता है कि यहाँ की युवा पीढ़ी नई ऊंचाइयों को छूने के लिए पूर्णतया तैयार है। क्षेत्र के विकास के साथ-साथ खेल सुविधाओं के विस्तार को भी प्राथमिकता दी जाएगी। अंत में कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसके पश्चात विधायक डॉ. अरुण चौधरी ने आमजन से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना तथा संबंधित विभागों को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया।

भैय्या दूज का पर्व भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक है - अग्रवाल

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। सुप्रीम गैस एजेंसी के प्रोपराइटर इंद्र कुमार अग्रवाल ने कहा कि
भैय्या दूज का पर्व भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक है, यह शब्द अग्रवाल ने भैय्या दूज पर्व पर कहे। उल्लेखनीय है कि भैय्या दूज के पर्व पर शुभ मुहूर्त पर बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और खुशहाल जीवन की कामना करती है। भाई को पूर्व दिशा की ओर मुख करके बिठाकर सिर पर फूल, पान, सुपारी और पैसा रखती है इसके बाद में भाई को तिलक लगाकर और उनकी लंबी उम्र और खुशहाल जीवन की कामना करती है इसी के साथ मे भाई को भोजन कराके उपहार भी देती है इधर भाइयो ने भी बहनों को खुश किया है। अग्रवाल ने बताया कि भैय्या दूज का महत्व यह है कि यह भाई-बहन के प्रेम और स्नेह को मजबूत बनाता है। यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते को और भी गहरा और मजबूत बनाता है।

भजनलाल शर्मा ने पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरों सिंह शेखावत को श्रद्धांजलि अर्पित की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को विद्याधर नगर स्थित स्मृति स्थल पहुंचकर पूर्व उपराष्ट्रपति एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरों सिंह शेखावत की जयंती पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

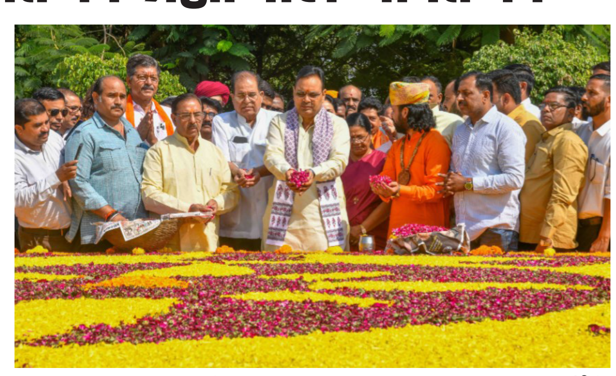

शर्मा ने इस अवसर पर मीडिया से बातचीत में कहा कि स्व. शेखावत ने राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत होकर देश व प्रदेश की मजबूती और जनसेवा के माध्यम से गरीब के उत्थान का कार्य किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित होकर राजस्थान में अंत्योदय योजना के माध्यम से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सहारा देकर आगे बढ़ाने का काम किया था। साथ ही, महात्मा गांधी एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों को भी आगे बढ़ाया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, सांसद मदन राठौड़, श्रीमती मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, बालमुकुंदाचार्य, नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्तिक स्नान एवं छठ पूजन पर मंदिर ठिकाना गलता जी परिसर में आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने दुरुस्त किये इंतजाम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कार्तिक स्नान एवं छट पूजन के लिए मंदिर ठिकाना गलता जी के मंदिरों में जिला प्रशासन ने आवश्यक व्यवस्था दुरुस्त की हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी कार्तिक स्नान एवं छठ पूजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा एवं आयोजन से जुड़े सभी इंतजामों के लिए जिम्मेदारी सौंपी है। 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक होने वाले आयोजन की समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार के नेतृत्व में नगर निगम, देवस्थान विभाग सहित अन्य अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया। जिला कलक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने आयोजन के लिए उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम एवं उपखंड अधिकारी जयपुर उत्तर को समग्र प्रभारी और तहसीलदार जयपुर को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है। इन्हें सभी विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए हैं। नगर निगम

के अधिकारियों को परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई एवं रोशनी की व्यवस्था करने, फायर ब्रिगेड की मय प्रशिक्षित स्टाफ तैनाती करने, भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेटिंग की व्यवस्था करने, अतिक्रमण हटाने, मोबाइल शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। वहीं, पुलिस उपायुक्त, जयपुर उत्तर को भीड़ नियंत्रण करने के लिए अस्थाई नियंत्रण कक्ष स्थापित करने, परिसर में पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगवाने, संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने एवं उनकी जांच करने करने के निर्देश दिये गए हैं। वहीं, यातायात पुलिस उपायुक्त को मेले परिसर में वाहनों की समुचित पार्किंग एवं सुगम यातायात के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने, मेला परिसर की पार्किंग में लावारिस वाहनों एवं संदिग्ध वस्तुओं की जांच करने के निर्देश दिये गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम एवं द्वितीय को मेला समाप्ति तक मेला परिसर में आवश्यकतानुसार चिकित्सा वाहन उपलब्ध करवाने, चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ के साथ-साथ आवश्यक दवाओं एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिये हैं। वहीं, अधीक्षण अभियंता, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को निर्बाध विद्युत आपूर्ति, खुले तारों एवं विद्युत बॉक्स को दुरूस्त करवाने एवं अधीक्षण अभियंता, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को पेयजल आपूर्ति हेतु टैंकरों की व्यवस्था सहित संबंधित व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के लिए निर्देशित किया गया है।

जयपुर देहात कांग्रेस में नई ऊर्जा और जनभावनाओं के स्वर पर पाँच जन सेवक में दिगराज सिंह शाहपुरा का नाम सबसे अग्रणी

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी में जयपुर देहात जिला अध्यक्ष पद को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं, समाजसेवी संगठनों और विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से दिगराज सिंह शाहपुरा के नाम का समर्थन किया है। कार्यकर्ताओं ने माना कि दिगराज सिंह शाहपुरा जी संगठन में नई सोच, नेतृत्व क्षमता और जनसेवा के अद्भुत समन्वय के प्रतीक हैं। लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े हुए दिगराज सिंह शाहपुरा जी ने युवाओं, किसानों

और समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। उनकी लोकप्रियता जयपुर देहात ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में लगातार बढ़ रही है। प्रदेश कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, दिगराज सिंह शाहपुरा जी का नाम जयपुर देहात क्षेत्र के सबसे सशक्त और जनप्रिय नेताओं में गिना जाता है। उनकी निष्ठा, ईमानदारी और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें इस पद के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि यदि दिगराज सिंह शाहपुरा को जयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, तो संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी, जिससे जनआवाज और अधिक प्रभावी रूप में सामने आएगी।

आज मुल्क को जरुरत है मोहब्बत की - इमरान मसूद

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। हजरत शहीद पीर दुल्हेशाह रहमतुल्लाह अलैह का उर्स चोटीला मेला का शानदार आयोजन हआ। इसमें कव्वाल तौफीक रिजवान रोशन एंड पार्टी (जोधपुर) तथा इंटरनेशनल कव्वाल अमन अफजल साबरी एंड पार्टी ने ना मरना याद आता है, ना जीना याद आता है.., मैं आशिक हूं मोहम्मद का मदीना याद आता है जमीन पर घर बनाया है, मगर जन्नत में रहते है। हमारी खुशनशबी है हम भारत में रहते है। मेरी अजमत मेरा रूतबा नहीं झुकने देंगी, ये वतन सर तेरा कभी नहीं झूकने देंगे। आज हम यह कसम खाते है जान देंगे पर तिरंगा नहीं झूकने नहीं देंगे जैसी मशहूर कव्वालियाँ पेश कर समा बाँध दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद इमरान मसूद अहमद (सहारनपुर), ने अपने संबोधन में कहा की आज मुल्क को जरुरत है मोहब्बत की। विधायक भीमराज भाटी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संगीता बेनीवाल, जिलाध्यक्ष अजीज दर्द, पूर्व उपसभापति शम्मीम मोतीवाला, जिला जज पूरण कुमार शर्मा, बकरत अली, पार्षद इरफान बेली,

पार्षद असलम खान, कांग्रेस नेता मेहबूब टी, मुस्लिम सदर हकीम खान, साबिर वकील सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने शिरकत की। सभी मेहमानों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया। मेला संयोजक नूर अली रंगरेज ने बताया कि मेले में लाइट एंड साउंड की व्यवस्था सैयद साउंड द्वारा की गई। टेंट व्यवस्था पप्पू टेंट हाउस (जहीर मकरानी) व कलीम अख्तर (पाली) ने संभाली। पाली पुलिस प्रशासन ने भी उत्कृष्ट सहयोग प्रदान किया। 23 अक्टूबर की देर रात कुल की रस्म अदा कर उर्स का समापन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मेला कमेटी सदर अमजद अली रंगरेज, संयोजक नूर अली रंगरेज, हाजी बाली साहब, सेक्रेट्री हाजी तुराब अली रंगरेज, प्रवक्ता जीशान अली रंगरेज, मो. हसन भाटी आदि की अहम भूमिका रही।

बिहार चुनाव में कोड़ा विधानसभा (69) सीट पर पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सलमान खान रंगरेज को मिली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर शहर निवासी युवा कांग्रेस नेता को बिहार विधानसभा चुनाव में अल्पसंख्यक विभाग द्वारा जिम्मेदारी दी गई है। जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के निर्देशानुसार बिहार राज्य के विधानसभा क्षेत्र कोड़ा(69) विधानसभा सीट में पर्यवेक्षक की जिम्मेदार सौंपी गई है। इस आदेश के बाद

सलमान खान रंगरेज ने पूर्व राजस्थान अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष आबिद कागजी व शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

अन्ता विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव-2025 निर्वाचन व्यय पर रहेगी सख्त निगरानी- मुकेश राठौर

-केन्द्रीय व्यय पर्यवेक्षक ने अभ्यर्थियों व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की ली बैठक

बारां (रॉयल पत्रिका)। अन्ता विधानसभा उप चुनाव के तहत नियुक्त व्यय पर्यवेक्षक मुकेश राठौर ने बुधवार को मिनी सचिवालय के सभागार में अभ्यर्थियों व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक लेते हुए कहा कि स्वतंत्र निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव खर्च पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। व्यय पर्यवेक्षक राठौर ने कहा कि सभी अभ्यर्थियों व दलों को चुनावी खर्च की सीमा सहित कानूनी प्रावधानों की जानकारी रखते हुए उनकी पालना की जानी चाहिए। सभी अभ्यर्थियों को नामांकन से पूर्व बैंक खाता खुलवाते हुए सभी जमा खर्च इसी के माध्यम से किए जाने चाहिए। साथ ही इसका ब्यौरा निर्धारित रजिस्टरों संधारित किया जाना चाहिए। मुद्रित प्रचार सामग्री पर मुद्रक व प्रकाशक नाम आवश्यक रूप से हो। प्रचार सामग्री के नाम पर धोती, साड़ी व गमछा आदि का वितरण प्रतिबंधित है। चुनाव प्रचार में रैली, सभाओं की पूर्व अनुमति आवश्यक है। वाहनों पर भी अनुमति पत्र को चस्पा किया जाना चाहिए। परिणाम घोषणा के पश्चात तीस दिन की अवधि में चुनाव खर्च का सम्पूर्ण लेखा जोखा निर्वाचन विभाग को प्रस्तुत करना होगा। इस बीच इन लेखों का तीन बार निरीक्षण भी किया जाएगा। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य धनबल व बाहुबल का दुरूपयोग रोकना है। स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव पहली प्राथमिकता है इसमें नियमों व प्रावधानों के उल्लंघन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। बैठक के दौरान पीपीटी के माध्यम से चुनावी व्यय से संबंधित अधिनियम व प्रावधानों तथा इनके रिकोर्ड संधारण के बारे में भी जानकारी दी गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल व सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी सहित अन्य अधिकारी व अभ्यर्थी तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

अरशद अली बने राजस्थान के उप महानिरीक्षक पुलिस कानून एवं व्यवस्था

-बेसवा में स्वागत समारोह

सीकर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादले की सूची में बुधवार देर शाम एक बड़ा बदलाव हुआ। सरकार ने फतेहपुर क्षेत्र के गांव बेसवा के निवासी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अरशद अली खान को उप महानिरीक्षक पुलिस कानून एवं व्यवस्था के पद पर पुलिस मुख्यालय, जयपुर में नियुक्त किया है। इससे पहले वे उप महानिरीक्षक पुलिस कम्युनिटी पॉलिसिंग, राजस्थान के पद पर कार्यरत थे। इस नियुक्ति के साथ ही प्रदेश में कुल 34 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया। अरशद अली खान का यह नया पद उनके अनुभव और समर्पण को दर्शाता है। वे लंबे समय से राजस्थान पुलिस सेवा में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं और कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आए हैं। उनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण पुलिस अभियानों और सामाजिक परियोजनाओं को सफलता मिली है। अरशद अली की इस नई जिम्मेदारी की खबर उनके पैतृक गांव बेसवा में आते ही खुशी और गर्व की लहर दौड़ गई। क्षेत्र के लोगों ने उन्हें साफा और माला पहनाकर स्वागत किया। ग्रामीणों ने उनका अभिनंदन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उनकी मेहनत और सेवा के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उनके शुभचिंतक, साथियों और ग्रामीणों ने कहा कि अरशद अली खान की नई भूमिका में सफलता निश्चित है और वे प्रदेश की कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाएंगे। पुलिस विभाग के इस तबादले से राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है। सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के इस व्यापक फेरबदल से प्रदेश में पुलिस प्रशासन की कार्यकुशलता और बेहतर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने का संदेश दिया है। अरशद अली खान की नियुक्ति इसे और सशक्त करने वाली साबित होगी।

संगठन सर्जन अभियान के तहत जिला कांग्रेस ने जिला अध्यक्ष पद के लिए बैठक बुलाई

रतनगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस की ओर से संगठन सृजन अभियान के तहत चुरु कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद हेतु जिला कांग्रेस कार्यालय रतनगढ़ पर केंद्रीय पर्यवेक्षक सुभाष चोपड़ा ने अध्यक्ष पद की दौड़ में सभी कैंडिडेट से अलग-अलग बुलाकर बातचीत की और कहा संगठन को मजबूती प्रदान करें सभी मिलकर काम करें और पार्टी को मजबूती प्रदान करे। चूरू सांसद राहुल कस्वा ने कहा कि सगठन में शक्ति है। विधायक नरेंद्र बुडानिया तारानगर, पूसाराम गोदारा विधायक रतनगढ़, विधायक मनोज मेघवाल सुजानगढ़, विधायक अनिल शर्मा सरदारशहर, डॉ. खानु खान राजस्थान वक्फ बोर्ड अध्यक्ष, पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया राजगढ़, हाजी मकबूल मंडेलिया पूर्व विधायक चुरु, रफीक मंडेलिया, मुस्ताक खान प्रदेश उपाध्यक्ष, इंद्राज खीचड़ चूरू जिला अध्यक्ष, आसिफ खान यूथ जिला अध्यक्ष, गोविंद महनसरिया, पायल सैनी, शमशेर भालू खान, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, असलम खोखर, किशोर धांधू, जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी महबूब खान नसवान ने बताया की काफी संख्या में चूरू जिला की सभी विधानसभाओं से कार्यकर्ता उपस्थित रहे और जिला अध्यक्ष के लिए सभी ने अपने बायोडाटा प्रभारी को सौंपे। बैठक का सफल संचालन जमील चौहान ने किया।

अजमेर खुली जेल से हत्या के आरोपी बंदी फरार

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। अजमेर की सेंट्रल जेल के अधीनस्थ खुली जेल से एक बंदी फरार होने का मामला सामने आया है। यह बंदी मनोहर सिंह, पुत्र दीपसिंह, निवासी जिला ब्यावर, हत्या के मामले में न्यायालय द्वारा अगस्त 2022 में आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। जानकारी के अनुसार, मनोहर सिंह को मुख्यालय के निर्देश पर पहले हनुमानगढ़ जेल में रखा गया था। फिर अगस्त 2025 में उसे अजमेर सेंट्रल जेल में स्थानांतरित किया गया। सेंट्रल जेल के अधीनस्थ खुली जेल में बंदी को सजा पूरी करने के लिए रखा गया था। इस मामले में खुली जेल के प्रभारी विजय गुर्जर ने बताया कि जेल अधीक्षक के निर्देश पर फरार बंदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने बंदी के फरार होने की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा कि वे सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं ताकि फरार बंदी को जल्द गिरफ्तार किया जा सके। अजमेर सेंट्रल जेल में खुली जेल का उद्देश्य बंदियों को सुधारात्मक कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों में शामिल करना है। ऐसे खुला बंदी शिविरों में बंदियों पर नजर रखी जाती है, लेकिन इस बार सुरक्षा में चूक के कारण मनोहर सिंह फरार हो गया। पुलिस और जेल प्रशासन इस बात का पता लगाने में जुटे हैं कि बंदी के फरार होने में किसी बाहरी मदद का हाथ तो नहीं था। जेल अधीक्षक ने फरार बंदी की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्रों में सर्च अभियान तेज कर दिया गया है।

निकिता गुर्जर का हैमर थ्रो में राज्य स्तर पर चयन

-गांव की पहली बेटी बनी मिसाल

सीकर (रॉयल पत्रिका)। नेछवा उपखंड की ग्राम पंचायत झाझड़ की मिलो की ढाणी की निकिता गुर्जर ने हैमर थ्रो खेल में राज्य स्तर पर चयन पाकर अपने गांव का नाम रोशन किया है। निकिता ने इससे पहले जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया था, और अब उनके खेल कौशल को देखते हुए उन्हें राज्य स्तर पर खेलने का अवसर मिला है। यह उपलब्धि उनके लिए ही नहीं बल्कि पूरे गांव के लिए गर्व की बात है।

राज्य स्तर पर खेलने वाली गांव की पहली बेटी-

निकिता गुर्जर अपने गांव की पहली बेटी हैं, जिन्होंने खेल के क्षेत्र में जिले भर में अपनी पहचान बनाई है। उनके इस चयन ने यह संदेश भी दिया है कि मेहनत और लगन से किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है। खेल के प्रति उनके जुनून और समर्पण को देखते हुए ग्रामवासियों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वागत समारोह और गांव का समर्थन-

इस उपलब्धि के लिए ग्राम पंचायत झाझड़ भवन में एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशासक हरलाल महला के सानिध्य में निकिता का सम्मान किया गया। समारोह में गांववासियों ने निकिता का हर्षोल्लासपूर्ण स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। भामाशाहों ने भी निकिता को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहायता और सहयोग का आश्वासन दिया।

समारोह में उपस्थित लोग-

समारोह में बक्शा राम महला, आस्करण खीचड़, मान सिंह सेवदड़ा, भगवान सुंदरिया कैप्टन, महावीर गुर्जर, वीडीओ सतवीर, केशर देवी (चेयरमैन ऑफ केशर आई हॉस्पिटल नेछवा), रमेश बेरवाल सेवदड़ा, नगेन्द्र पाल सिंह (कोच, बास्केटबॉल जयपुर), केशर प्रजापत, झाबर गढ़वाल, केदार रेवाड़, बनारसी देवी और सुभीता देवी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने निकिता की उपलब्धि की सराहना की और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जिला कलक्टर व एसपी ने किया संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी व कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर व पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बुधवार को अन्ता विधानसभा उपचुनाव के तहत बामला व कोटडी़ तुलसां स्थित संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों से मतदान के सम्बंध में चर्चा करते हुए निर्भीक होकर मतदान करने को प्रेरित किया।

जिला कलक्टर तोमर ने वल्नरेबल श्रेणी में चिन्हित बामला व कोटड़ी तुलसां के बूथों का निरीक्षण करते हुए ग्रामीणों व प्रबुद्ध जनों के साथ बैठक करते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में मतदान दिवस पर मतदान केन्द्र व क्षेत्र में मतदाताओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस बल के कड़े इंतजाम किए जाएंगे तथा सभी प्रकार गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। मतदान में बाधा उत्पन्न करने वाले तत्वों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी मतदाता बिना किसी भय के मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान में भाग लें तथा अन्य मतदाताओं को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण जनों की मतदान संबंधित समस्याओं के बारे भी जानकारी ली। जिला कलक्टर ने मेघवाल बस्ती का भी दौरा करते हुए ग्रामीणों के साथ वार्ता की। इस दौरान बारां एसडीएम विश्वजीत सिंह भी मौजूद थे।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत विधानसभा सम्मेलन शुक्रवार को

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाजपा द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को विधानसभा सम्मेलन पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू आवास पर दोपहर 3:30 बजे आयोजित होगा। जिसमें विधायक हरलाल सहारण, प्रदेश मंत्री डॉ वासुदेव चावला, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा सहित विधानसभा के सभी मण्डलो की कार्यकारिणी सहित वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेगे। जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया ने बताया कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत प्रदेश भर की सभी विधानसभा क्षैत्रो में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी के तहत चूरू विधानसभा सम्मेलन आयोजित किये जा रहा है जिसके तहत केन्द्र सरकार के द्वारा किये गये विकास कार्य एवम् देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किये जा रहे प्रयासो के संदर्भ में वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन मिलेगा।

व्यय पर्यवेक्षक ने लिए संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के निर्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग कि ओर से अंता विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के लिए नियुक्त व्यय पर्यवेक्षक मुकेश राठौर ने बुधवार शाम चुनाव व्यय प्रकोष्ठ के अधिकारियों की बैठक लेते हुए स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए संदेहास्पद गतिविधियों पर 24 घंटे निगरानी रखने तथा संदिग्ध सामग्री को जब्त करने के निर्देश दिए हैं। व्यय पर्यवेक्षक ने मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि निर्वाचन ने शुचिता बनाए रखने के लिए संदिग्ध गतिविधियों पर गहन व सतत निगरानी अति आवश्यक हैं। सभी प्रवर्तन एजेंसियां सतर्क व संवेदनशील रहकर अपने दायित्वों को पूर्ण करें तथा किसी भी प्रकार की जब्ती होने पर अविलम्ब रिपोर्टिंग करें। आबकारी विभाग इन दिनों मदिरा की खपत पर विशेष निगरानी रखे तथा इसके विक्रय में बढ़ोतरी को संदिग्ध मानते हुए कार्यवाही करे। साथ ही इसके स्टाक की भी जांच की जाए। बैंक भी संदिग्ध राशि के ट्रांसफर पर प्रभावी मॉनिटरिंग रखें। एफएसटी सहित सभी निगरानी दल क्षेत्र में गहनता से नजर बनाए रखें। सूचना तंत्र को मजबूत रखते हुए निरंतर जानकारी प्राप्त करते रहें। रेलवे पुलिस भी टै॰नों में जांच व तलाशी को निरंतरता से जारी रखें। सभी विभाग आपसी समन्वय बनाते हुए कार्यवाही करें। इस दौरान उन्होंने पोस्ट ऑफिस, नारकोटिक्स, इनकम टैक्स वाणिज्य कर विभाग, परिवहन विभाग, खनिज विभाग सहित अन्य विभागों में अब तक की गई कार्यवाही के बारें में जानकारी ली। बैठक में उपजिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल व सीईओ राजवीर सिंह चौधरी सहित प्रकोष्ठ के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सील बैंक लॉकर में मिले 15.50 लाख पुराने नोट

-राजस्थान हाईकोर्ट ने RBI और केंद्र से जवाब मांगा

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर की डिवीजन बेंच ने हाल ही में एक अहम मामले में केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) से जवाब मांगा है। मामला बीकानेर निवासी रणवीर सिंह से जुड़ा है, जिनके सील बैंक लॉकर में 15.50 लाख रुपए पुराने नोट मिले थे। ये नोट अब बंद हो चुके हैं और उन्हें एक्सचेंज नहीं किया जा रहा है। हाईकोर्ट ने इस संबंध में नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। रणवीर सिंह की ओर से अधिवक्ता विपुल सिंघवी ने 3 अक्टूबर 2025 को हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसके बाद 15 अक्टूबर को इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, जिसमें कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव कुमार शर्मा और जस्टिस अनुरूप संघी शामिल थे, ने मामले को न्याय संगत माना। इसके तहत केंद्र सरकार, RBI और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स सहित अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया गया। रणवीर सिंह ने बताया कि उनके पिता चंद्रसिंह का निधन हो गया था और उनका बैंक लॉकर उत्तराधिकार विवाद के कारण कई वर्षों तक बैंक और कोर्ट की अभिरक्षा (कस्टडी) में सील रहा। इस लंबी प्रक्रिया के बाद बीकानेर की सिविल कोर्ट ने 13 जुलाई 2018 को इस लॉकर को खोलने का आदेश दिया। इसके बाद 21 अगस्त 2018 को बैंक लॉकर खोला गया। लॉकर खोलने पर नोटों की गिनती की गई और पैसों की सूची तैयार की गई। इसके बाद बैंक ने लॉकर को पुनः सील कर दिया। हालांकि, अब ये नोट बंद हो चुके हैं और RBI इन्हें एक्सचेंज नहीं कर रहा है। इस पर रणवीर सिंह ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट ने इस मामले में स्पष्ट किया कि नोटों को एक्सचेंज न करने का मुद्दा गंभीर है और इसमें न्याय दिलाने की आवश्यकता है। कोर्ट ने सभी पक्षों से चार सप्ताह में जवाब तलब किया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पुराने नोटों को बदलने का रास्ता क्या है।

03 नवंबर को होगी आइडियाथॉन, इच्छुक अभ्यर्थी अब 26 अक्टूबर तक करवा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार चूरू जिला मुख्यालय पर राजकीय लोहिया महाविद्यालय में संचालित संभाग स्तरीय आई स्टार्ट नेस्ट इन्क्यूबेशन सेंटर में 03 नवंबर, 2025 को चूरू, सीकर व झुन्झुनू जिलों के स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों हेतु आइडियाथॉन आयोजित किया जाएगा। आइडियाथॉन में भाग लेने हेतु अभ्यर्थी अब 26 अक्टूबर, 2025 तक रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। डीओआईटी एसीपी नरेश टुहानिया ने बताया कि आइडियाथॉन में कक्षा 6 से 12 एवं उच्च अध्ययनरत विद्यार्थी 01 से 04 सदस्यों की टीम बनाकर टेक्नोलोजी, शिक्षा, हेल्थकेयर, एग्रीटेक, क्लीनटेक, फिनटेक या किसी अन्य क्षेत्र की समस्या के समाधान से संबंधित अपने सुझाव/कार्ययोजना प्रस्तुत कर सकते हैं। आईडियाथॉन में प्रथम विजेता को 25000 रुपए, द्वितीय विजेता को 15000 रुपए तथा तृतीय विजेता को 10000 रुपए की नकद राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी https://istart.rajasthan.gov.in/ideathon पर जाकर रजिस्ट्रेशन फॉर्म में चाही गई सूचनाएं भरकर अपनी पीपीटी/पीडीएफ फाईल को अपलोड कर 26 अक्टूबर, 2025 तक अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने राजकीय/निजी स्कूल/कॉलेज/प्रशिक्षण संस्थानों के संस्था प्रधानों को इच्छुक अभ्यर्थियों को रजिस्ट्रेशन करवाने हेतु निर्देश दिए हैं।

उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रेशन से संबंधित समस्या के समाधान व अधिक जानकारी हेतु सहायक प्रोग्रामर गुरप्रीत सिंह लबाना (8233605050), मेंटर जमील अहमद खान (9462790678) एवं सूचना सहायक नरेन्द्र कुमार (8058599048) से संपर्क किया जा सकता है।

कोटा में दीपावली पर हाथ में फटा सूतली बम, किशोर की पांच हड्डियां टूटी

कोटा (रॉयल पत्रिका)। कोटा में दीपावली के मौके पर आतिशबाजी का जश्न कई लोगों के लिए डरावना अनुभव बन गया। उत्सव और हर्षोल्लास के बीच आतिशबाजी के दौरान कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। खासकर 10 से 16 साल के किशोर इस दौरान ज्यादा प्रभावित हुए। पटाखों और देसी बम के दुष्प्रभावों से बच्चों और युवाओं को चोटें आईं, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाकर इलाज करवाना पड़ा। कोटा के थेकड़ा क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां एक किशोर ने सूतली बम चलाने की कोशिश की, लेकिन बम उसके हाथ में ही फट गया। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। हादसे में किशोर के हाथ की पांच हड्डियां टूट गईं। इसके साथ ही मांस जल गया और हाथ की चमड़ी भी निकल गई। चोट की गंभीरता को देखते हुए उसे तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने तीन घंटे तक उसकी सर्जरी की, जिसमें चोटिल हड्डियों और मांस की मरम्मत की गई। डॉक्टरों का कहना है कि यदि तुरंत इलाज न होता, तो हाथ की गतिशीलता और सामान्य कार्य करने की क्षमता पर स्थायी असर पड़ सकता था। विशेषज्ञों ने इस घटना को चेतावनी के रूप में लिया है। उनका कहना है कि दीपावली और अन्य त्योहारी मौकों पर बच्चों और किशोरों को पटाखों और देसी बम से दूर रखना चाहिए। कई बार केवल खेल-खेल में बच्चों द्वारा फटा बम गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन जाता है। स्थानीय पुलिस और प्रशासन भी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि पटाखों की खरीद और इस्तेमाल में सुरक्षा का ध्यान रखा जाए। बच्चों को हमेशा वयस्कों की निगरानी में ही पटाखे जलाने चाहिए। साथ ही, बिना अनुमति वाले और अवैध पटाखों से दूरी बनाए रखना बहुत जरूरी है। कोटा में ऐसे हादसे हर साल बढ़ रहे हैं, खासकर जब बच्चे और किशोर आतिशबाजी के दौरान सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जिम्मेदारी केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज और प्रशासन की भी है कि त्योहार सुरक्षित और आनंदमय तरीके से मनाया जाए।

होटल कर्मचारी से मारपीट मामले में कॉन्स्टेबल लाइन हाजिर

-एसीपी को जांच सौंपी

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर में दीपावली की रात हुई एक घटना ने पुलिस की कार्रवाई और उसकी संवेदनशीलता पर सवाल खड़ा कर दिया है। सोमवार रात करीब सवा 1 बजे सरदारपुरा थाने के पुलिसकर्मी शराब पीने की सूचना पर एक सार्वजनिक जगह पर पहुंचे। वहां कुछ युवक शराब पीते हुए देखे गए और पुलिस की मौजूदगी में भाग खड़े हुए। इसी दौरान वहां मौजूद होटल कर्मचारी भी वहां था। होटल कर्मचारी ने जैसे ही पुलिस को देखा, वह भी घबराकर अपने होटल की ओर भागा। पुलिस ने उसे शराबी समझकर तुरंत पकड़ लिया और उस पर मारपीट शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने उसकी तौलिए वाली जीभ पकड़कर और बालों को खींचते हुए उसे होटल से बाहर खींचा और गाड़ी में बैठाने की कोशिश की। इस पूरी घटना के दौरान वहां मौजूद अन्य पुलिसकर्मी भी उसे पीटने में शामिल रहे। कुछ समय बाद जब पुलिस को सही जानकारी मिली कि यह व्यक्ति शराबी नहीं बल्कि होटल कर्मचारी है, तब जाकर उसे छोड़ दिया गया। हालांकि तब तक वह काफी चोटिल हो चुका था और मानसिक रूप से भी परेशान था। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद जोधपुर पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सरदारपुरा थाने के कॉन्स्टेबल मोती सिंह को लाइन हाजिर कर दिया। इसके साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसीपी (पश्चिम) छवि शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि किसी भी नागरिक के साथ बिना वजह मारपीट करना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि पुलिस की छवि को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जांच में दोषी पाए गए पुलिसकर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पुलिसकर्मियों को संवेदनशील परिस्थितियों में पहचान और विवेक से काम लेना चाहिए।

नरेगा में कृषि कुंड बनाने पर रोक आमजन के साथ अन्याय- प्रजापति

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नरेगा में कृषि कुंड बनाने पर रोक आम जन के साथ अन्याय। एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति ने कहा चुरु राजस्थान के भौगोलिक स्थिति में मरुस्थलिय ज़िलों में वर्षा जल संग्रहण अमृत के सम्मान माना जाता है कृषकों के खेत में जो टांके बनाए जाते हैं उनकी बहु उपयोगी भुमिका रही है वर्तमान समय की मांग तो यह है कि गांव के साथ साथ शहर में भी हर छत वर्षा जल जोड़ा जाना चाहिए। जबकि भाजपा सरकार नरेगा के अन्तर्गत कृषि कुंड बनाने की योजना को बंद करने का निर्णय आम जन के साथ अन्याय किया है। कांग्रेस पार्टी इस निर्णय को जन हित में वापस लेने की पुरजोर मांग करती है । रामेश्वर प्रजापति एडवोकेट जिला प्रवक्ता कांग्रेस चुरु ने बताया।

सोने-चांदी का फूटा बुलबुला, एक झटके में सोना 3725 और चांदी 10549 सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी का बुलबुला फूट रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 12 साल की रिकॉर्ड गिरावट के बाद आज सोने-चांदी के भाव में भी बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। आज गोवर्धन पूजा के दिन चांदी जहां एक झटके में ही 10549 रुपये सस्ती हो गई है वहीं, सोने के भाव में 3725 रुपये की गिरावट है।

24 कैरेट सोने का भाव अब जीएसटी समेत 127624 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया है। जबकि, चांदी जीएसटी समेत 157076 रुपये प्रति किलो पर आ गई है। बता दें मिंट के मुताबिक 22 अक्टूबर को चेन्नई में सोने के भाव 1,28,410 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थे। और चांदी 1,50,490/किग्रा के रेट से बिक रही थी।

सोने-चांदी में इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई- कीमती धातुओं में गिरावट कई कारणों से आई। अमेरिका और चीन के बीच सकारात्मक व्यापार वार्ता, डॉलर की मजबूती, तकनीकी स्तरों का आवश्यकता से अधिक ऊंचा होना, निवेशकों की पोजीशन पर अनिश्चितता (शट डाउन होने के कारण रिपोर्ट का अभाव), और भारत में मौसमी मांग के खत्म होने का असर।

एएनजेड ग्रुप के विश्लेषकों ब्रायन मार्टिन और डैनियल हाइन्स का कहना है कि संभवतः इन पोजीशनों का स्तर बहुत ऊँचा हो गया था और यही बड़ी बिकवाली का कारण बना। हालांकि, वे यह भी जोड़ते हैं कि दीर्घकालीन सकारात्मक कारण अब भी मौजूद हैं जो कीमतों को समर्थन देते रहेंगे।

दूसरे बाजारों में, अमेरिकी सरकारी बॉन्ड में तेजी आई, जिससे 30-वर्षीय बॉन्ड की यील्ड अप्रैल की शुरुआत के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गई। अमेरिकी सरकार का शटडाउन अब रिकॉर्ड के हिसाब से दूसरा सबसे लंबा होने जा रहा है।

कैरेट के हिसाब से क्या गोल्ड के रेट

आइबीजेए के मुताबिक 20 अक्टूबर को 24 कैरेट गोल्ड बिना जीएसटी 127633 रुपये पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी भी बिना जीएसटी 163050 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। आज सोना बिना जीएसटी 123907 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला और चांदी 152501 रुपये पर खुली। अब अक्टूबर में सोना 8558 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ। जबकि, चांदी की कीमत में प्रति किलो 10067 रुपये का उछाल आया। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

कैरेट के हिसाब से गोल्ड के भाव

आज 23 कैरेट गोल्ड भी 3413 रुपये सस्ता होकर 123411 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 127113 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 2795 रुपये टूटकर 113499 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। जीएसटी संग यह 116903 रुपये है। 18 कैरेट गोल्ड 2795 रुपये की गिरावट के साथ 92930 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत 95717 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

सोना गिरवी रख कर लोन लेने वाले 5 महीने में तेजी से बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में सोने के आभूषणों को गिरवी रखकर लोन लेने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि पांच महीने के अंदर गोल्ड लोन में करीब 97,079 हजार करोड़ रुपये की तेज लोन बढ़ोतरी हुई है। वहीं, सालाना आधार पर अगस्त माह में 117.8 प्रतिशत की उल्लेखनीय उछाल आया है।

रिजर्व बैंक द्वारा जारी मासिक रिपोर्ट से पता चलता है कि बीते वर्ष अगस्त तक कुल 1,40,393 करोड़ का गोल्ड लोन बांटा गया था, जो इस साल अगस्त तक बढ़कर 3,05,814 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सालाना आधार पर इसमें 117.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, दूसरी श्रेणियों जैसे पर्सनल लोन, वाहन लोन, एजुकेशन लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, आवास लोन और एफडी के विरुद्ध लोन की वृद्धि दर सीमित रही है।

एक माह में 12 हजार करोड़ का लोन बांटा- रिपोर्ट के मुताबिक, लोग सोने की ज्वेलरी को गिरवी रखकर अपनी वित्तीय जरूरतें पूरी कर रहे हैं। इस वर्ष मार्च तक 2,08,735 करोड़ रुपये का गोल्ड लोन दिया गया, जो जुलाई तक बढ़कर 2,94,166 करोड़ रुपये हो गया। चार महीने के अंदर करीब 85 हजार करोड़ रुपये की लोन बढ़ोतरी देखी गई, जो अगस्त में भी जारी रही है। अगस्त में बढ़ोतरी 97,079 करोड़ पहुंच गई है।

सोने की दाम बढ़ने से अधिक लोन मिला

वॉयस ऑफ बैंकिंग के फाउंडर अश्विनी राणा कहते हैं कि सोने की बढ़ती कीमतों ने लोन लेने की प्रवृत्ति को और तेज किया है। सोने का भाव बढ़ने से गिरवी रखी ज्वेलरी के बदले अधिक राशि लोन के रूप में मिल रही है, जिससे आम लोग अपनी तत्काल आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए गोल्ड लोन की ओर आकर्षित हो रहे हैं। बढ़ती महंगाई और वित्तीय अनिश्चितता के दौर में गोल्ड लोन आम लोगों के लिए आसान विकल्प बन गया है। बैंक बिना लंबी प्रक्रिया के तुरंत लोन जारी कर देते हैं, जिस कारण से सोने की ज्वेलरी को गिरवी रखकर लोन लेने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

भगेरिया इंडस्ट्रीज़ का शुद्ध लाभ एच1 एफवाय26 में 83 प्रतिशत उछला

मुंबई, एजेंसी। भगेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जो रंग, इंटरमीडिएट्स, विशेष रसायन और सौर ऊर्जा उत्पादन में संलग्न एक विविधीकृत रसायन निर्माता है और घरेलू तथा निर्यात बाजारों को सेवा प्रदान करता है, ने अपने अनऑडिटेड क्यू2 और एच1 एफवाय26 के परिणामों की घोषणा की है।

भगेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष श्री सुरेश भगेरिया ने कहा: हमें क्यू2 और एच1 एफवाय26 में मजबूत प्रदर्शन की रिपोर्ट देते हुए खुशी हो रही है, जो परिचालन दक्षता और बेहतर उत्पाद मिश्रण द्वारा प्रेरित राजस्व और लाभप्रदता में स्वस्थ वृद्धि से चिह्नित है। एच-अम्ल की क्षमता विस्तार और प्लास्टिसाइजर और एथॉक्सिलेट्स के लॉन्च महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम हैं जो आने वाली तिमाहियों में सार्थक योगदान देना शुरू करेंगे। पुनः पुष्टि किए गए क्रेडिट रेटिंग, मजबूत बैलेंस शीट, और स्थिर मांग दृष्टिकोण के साथ, हम अपनी वृद्धि की गति बनाए रखने और निरंतर प्रदर्शन प्रदान करने के प्रति आश्वस्त हैं।

क्यू2 एफवाय26 प्रमुख समेकित वित्तीय मुख्य बिंदु – कुल आय 206.02 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 55.59 प्रतिशत, ई बी आई टी डी ए 24.74 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 46.58 प्रतिशत, शुद्ध लाभ 11.47 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 79.68 प्रतिशत, शुद्ध लाभ मार्जिन 5.57 प्रतिशत, वर्ष-दर-वर्ष 75 बेसिस पॉइंट्स की वृद्धि, प्रति शेयर आय 2.70, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 80 प्रतिशत।

एच1 एफवाय26 प्रमुख समेकित वित्तीय मुख्य बिंदु– कुल आय 369.99 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 48.24 प्रतिशत, ई बी आई टी डी ए 48.91 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 47.72 प्रतिशत, शुद्ध लाभ 22.36 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 83.28 प्रतिशत, शुद्ध लाभ मार्जिन 6.04 प्रतिशत, वर्ष-दर-वर्ष 116 बेसिस पॉइंट्स की वृद्धि, प्रति शेयर आय 5.28, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 84.62 प्रतिशत।

पाटिल ऑटोमेशन को 10.82 करोड़ की ऑनसाइट असेंबली लाइन स्थापना ऑर्डर मिली

पुणे। पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड जो ऑटोमोटिव और नॉन-ऑटोमोटिव दोनों क्षेत्रों के लिए व्यापक औद्योगिक ऑटोमेशन समाधान प्रदान करता है, ने एक भारतीय कॉर्पोरेट ग्राहक से 10.82 करोड़ (सभी करों और शुल्क सहित) का ऑनसाइट असेंबली लाइन इंस्टॉलेशन प्रोजेक्ट के लिए परचेज ऑर्डर प्राप्त होने की घोषणा की है।

इस परियोजना में फंट एक्सल ट्यूब ओवरहेड स्ट्रक्र के साथ एक्सवाय रेल स्ट्रक्र, योक प्रेसिंग टू गेज और वेल्डिंग सेल का डिज़ाइन, विकास, निर्माण, फैब्रिकेशन और इंस्टॉलेशन शामिल है, जिसे 15 फरवरी 2026 तक पूरा किए जाने की उम्मीद है।

यह नवीनतम ऑर्डर कंपनी की टर्नकी प्रोजेक्ट्स की बढ़ती पाइपलाइन में इज़ाफा करता है, जिससे यह कस्टमाइज्ड ऑटोमेशन सिस्टम्स के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत करती है – जो सटीकता, उत्पादकता और स्केलेबल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देते हैं।

इस ऑर्डर के साथ, पाटिल ऑटोमेशन की सक्रिय ऑर्डर बुक अब 140 करोड़ से अधिक हो गई है, जो कंपनी की मजबूत विकास गति और विभिन्न उद्योगों में ओइएमएस तथा टियर-I सप्लायर्स से बढ़ती मांग को दर्शाता है।

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड के प्रमोटर और प्रबंध निदेशक, श्री मनोज पाटिल ने कहा, यह प्रोजेक्ट जीत हमारे डिज़ाइन और निष्पादन क्षमताओं पर ग्राहकों के विश्वास को दर्शाती है। हम लचीले और बुद्धिमान ऑटोमेशन समाधानों के माध्यम से ऑटोमोटिव क्षेत्र से परे अपनी उपस्थिति को लगातार मजबूत कर रहे हैं, जो विविध विनिर्माण आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। हमारा ध्यान अपने ग्राहक आधार का विस्तार करने, उद्योग विविधता बढ़ाने और अपनी तकनीकी बढ़त को सशक्त बनाने पर केंद्रित है ताकि उच्च मूल्य वाले इंजीनियरिंग समाधान प्रदान किए जा सकें।

15,000 लगाकर कमा डाले 74 करोड़... कर्ज में डूबे किसान के बेटे के हाथ ऐसा क्या लगा

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात के अमरेली जिले के कुलदीप सोरथिया ने सपने को हकीकत में बदलने का काम किया है। वह एक किसान परिवार से आते हैं। नौकरी छोड़कर सिर्फ 15,000 रुपये की पूंजी से उन्होंने अपना काम करने का फैसला कया। 2017 में कुलदीप ने केस्क्वायर एनर्जी की नींव रखी। यह एक सोलर स्टार्टअप है। इस कंपनी ने पिछले साल ही 74 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया। इसका लक्ष्य 2030 तक 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंचना है। इस वेंचर को खड़ा करने में कुलदीप को अपने भाई कल्पेश सोरथिया का भी भरपूर साथ मिला। यह वेंचर न सिर्फ शहरों में बिजली के बिलों की समस्या को हल कर रहा है। अलबत्ता, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत ग्रामीण भारत के घरों में भी सौर ऊर्जा क्रांति लाने के काम में जुटा है। आइए, यहां कुलदीप सोरथिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

नौकरी छोड़ शुरू किया अपना काम– कुलदीप सोरथिया का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। गुजरात के अमरेली जिले के एक किसान परिवार में जन्मे कुलदीप का बचपन 15-17 लाख रुपये के कर्ज और गरीबी में बीता। 2017 में जब कनाडा में मास्टर्स के लिए उनका एजुकेशन लोन खारिज हुआ तो वह पूरी तरह टूट गए। इसके खारिज होने की वजह यह थी कि उनके परिवार के पास कोई इनकम टैक्स रिटर्न नहीं थी। लेकिन, इसी रिजेक्शन ने उन्हें एक नई राह दिखाई। 22,000 रुपये की क्रेडिट कार्ड बेचने की नौकरी छोड़कर कुलदीप ने सिर्फ 15,000 रुपये की शुरुआती पूंजी के साथ 150 वर्ग फीट के कमरे से अपने वेंचर की शुरुआत की। शुरुआती डेढ़ साल उन्होंने अकेले ही बिक्री, लॉजिस्टिक्स और अकाउंटिंग का काम संभाला। वह अक्सर 15-17 घंटे काम करते थे। लेकिन, देखते ही देखते यह कंपनी करोड़ों रुपये की हो गई।

अलग तरह का बिजनेस मॉडल – कुलदीप के वेंचर ने भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की ऊर्जा समस्याओं को हल करने के लिए दो मुख्य कार्यक्षेत्रों पर फोकस किया। पहला, प्रत्यक्ष आवासीय रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्स। इसके तहत वह पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी सरकारी योजनाओं के तहत एंड-टू-एंड इंस्टॉलेशन सेवाएं देते हैं। इससे ग्राहकों को जटिल सरकारी प्रक्रियाओं से मुक्ति मिलती है। दूसरा, बी2बी सोलर प्रोडक्ट सप्लाई, जहां वह पैनल, इन्वर्टर और केबल जैसे 70-80 से अधिक उत्पाद 23 राज्यों में 1,500 से ज्यादा क्लाइंट्स को सप्लाई करते हैं। इन दोनों वर्टिकल के साथ कंपनी ने 2024 में 74 करोड़ का रेवेन्यू कमाया। वह 2017-18 में कमाए गए 25 लाख रुपये के रेवेन्यू से कई गुना ज्यादा है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 208 प्रतिशत बढ़ा, 76 फीसदी रही इन पांच देशों की हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जुलाई अवधि में सालाना आधार पर 208.57 फीसदी बढ़कर 10.8 अरब डॉलर पहुंच गया।एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 3.5 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के ताजा मासिक बुलेटिन के मुताबिक, सकल एफडीआई एक साल पहले के 33.2 फीसदी बढ़कर 37.7 अरब डॉलर पहुंच गया।

2024-25 की अप्रैल-जुलाईअवधि में 28.3 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। आरबीआई ने कहा, अप्रैल-जुलाई में सिंगापुर, अमेरिका, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात और नीदरलैंड एफडीआई के शीर्ष स्रोत रहे, जिनकी कुल निवेश में 76 फीसदी हिस्सेदारी थी। विनिर्माण, कंप्यूटर सेवाओं व्यावसायिक, संचार और वित्तीय सेवाओं के साथ बिजली उत्पादन में कुल 74 फीसदी एफडीआई आया।

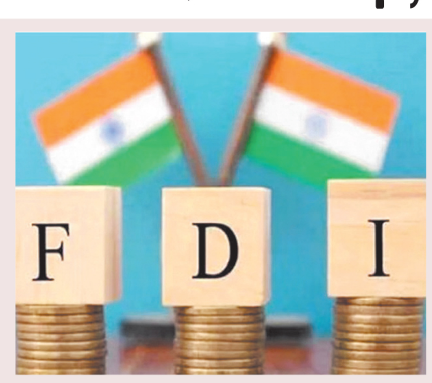

अगस्त में 5.11 अरब डॉलर घट गया एफडीआई– जुलाई में चार साल के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद अगस्त में देश में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश घटकर 6 अरब डॉलर रह गया।यह जुलाई के 11.11 अरब डॉलर से 5.11 अरब डॉलर कम है।इस दौरान विदेशी कंपनियों की ओर से धन वापसी (रेपेट्रिएशन) 30 फीसदी बढ़कर 4.9 अरब डॉलर पहुंच गया।इससे शुद्ध एफडीआई 61.6 करोड़ डॉलर के आउटफ्लो (निकासी) में बदल गया।

विदेश यात्रा पर 1.6 अरब डॉलर का खर्च– बुलेटिन के मुताबिक, अगस्त में भारतीयों ने विदेश यात्रा पर 1.61 अरब डॉलर खर्च किए।यह जुलाई के 1.4 अरब डॉलर से ज्यादा है।

विदेश में शिक्षा पर खर्च मासिक आधार पर 39 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 31.9 करोड़ डॉलर हो गया।

विदेश में रहने वाले प्रवासी भारतीयों ने अगस्त में देश में 2.6 अरब डॉलर की रकम भेजी है।यह जुलाई की तुलना में 7.7 फीसदी अधिक रकम है।

क्लासिक लीजेंड्स अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ

जबलपुर। प्रामाणिक परफॉर्मेंस क्लासिक मोटरसाइकिलों को फिर से स्टाइल में लाने वाली कंपनी क्लासिक लीजेंड्स ने ग्राहकों के लिए अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ ऑफर शुरू किया है। इस ऑफर के तहत राइडर्स आज ही अपनी सपनों की मोटरसाइकिल घर ले जा सकते हैं और इसकी ईएमआई 2026 से ही शुरू कर सकते हैं। देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में से एक, एलएंडटी फाइनेंस के साथ साझेदारी में शुरू किए गए इस ऑफर की बदौलत ब्रांड अपनी क्लासिक मोटरसाइकिलों को खरीदना अधिक सुलभ बना रहा है, जो इसकी मोटरसाइकिलिंग को और अधिक आनंददायक बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। खरीदार अब आवश्यक डाउन पेमेंट देने के बाद अपने पसंदीदा जावा, येज़्दी या बीएसए मोटरसाइकिल की डिलीवरी ले सकते हैं। लोन दिए जाने की तिथि के बाद पहले दो महीनों के लिए सिर्फ अर्जित ब्याज का भुगतान करना होगा, कोई मूल ईएमआई नहीं देनी होगी। उदाहरण के लिए, अगर कोई लोन

अक्टूबर 2025 में दिया जाता है, तो पहली नियमित ईएमआई जनवरी 2026 में शुरू होगी। कुल लोन अवधि 36 महीनों तक बढ़ सकती है, जिसमें ईएमआई अवकाश अवधि सहित 38 महीनों में पुनर्भुगतान पूरा हो सकता है। यह विशेष फेस्टिवल फाइनेंसिंग स्कीम बीएसए गोल्ड स्टार 650 के लिए भी उपलब्ध है। यह एक प्रामाणिक ब्रिटिश मोटरसाइकिल है, जिसे अलग दिखने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह जीएसटी 2.0 से पहले की कीमत पर उपलब्ध है। क्लासिक लीजेंड्स प्राइवेट लिमिटेड के चीफ बिजनेस अफसर शरद अग्रवाल ने कहा, अधिकांश राइडर्स के लिए, हमारी मोटरसाइकिलों में से एक का मालिक होना उतना ही व्यावहारिक है जितना कि एक क्लासिक मोटरसाइकिल के लिए भावनात्मक आकर्षण। हमारा अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ ऑफर उत्सव के इस मौसम में खरीदारी को आसान और खास बनाता है। हमारे खरीदार बिना इंतज़ार किए जावा, येज़्दी या बीएसए को अपनी ज़िंदगी का हिस्सा बना सकते हैं, जबकि हमारा ऑफर 2026 तक ईएमआई भुगतान के दबाव को कम करता है।

देहात की आकर्षक स्कीम देहात ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च

गुरुग्राम/ बिहार। देश की सबसे बड़ी एग्रीटेक कंपनी देहात ने ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च कर दिया है। इस स्कीम के तहत कुल 2001 विजेता किसानों को देहात के रीसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी पर बोलेरो, ट्रैक्टर, बुलेट समेत कई आकर्षक उपहार दिये जाएंगे।

पिछले रबी सीजन के दौरान चलायी गयी इस स्कीम में देश भर के 1.5 लाख से अधिक किसानों ने भाग लिया था। जिसमें से 2,001 विजेता किसानों को विशेष इनामों से सम्मानित किया गया था। स्कीम का सबसे बड़ा इनाम भोपाल के जितेंद्र मीना (गब्बर) के नाम रहा, जिन्होंने महिंद्रा भूमिपुत्र ट्रैक्टर जीता। स्कीम दूसरा बड़ा इनाम मारुती ऑल्टो पटना के रहने वाले गोलू कुमार ने जीता था।

इस अवसर पर देहात के सह संस्थापक व सीओओ श्याम सुंदर सिंह ने कहा, पिछले सीजन जिस तरह किसानों ने देहात पर अपना विश्वास जताकर स्कीम में भाग लिया वह काबिले तारीफ है। हमने ग्रेट गेहूँ महोत्सव के विजेताओं को ट्रैक्टर व ऑल्टो कार जैसे इनाम दिए। हमें न केवल किसानों की ओर से बीज को लेकर अच्छा फीडबैक मिला बल्कि वे स्कीम को लेकर भी काफी उत्साहित दिखें।

बताते चलें कि, स्कीम में भाग लेना बेहद आसान है। किसानों को अपने नजदीकी देहात केंद्र से देहात के सिर्च गेहूँ बीज की खरीददारी करना है और अपना लकी कूपन प्राप्त कर स्कीम के लिए रजिस्टर करना है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अर्बन क्रूज़र हायराइडर एयरो एडिशन लॉन्च किया - एक्सक्लूसिव स्टाइलिंग पैकेज के साथ

बेंगलुरु, एजेंसी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम)ने आज अपनी लोकप्रिय एसयूवीअर्बन क्रूज़र हायराइडरका नयाएयरो एडिशनलॉन्च किया है।यह लिमिटेड एडिशन पैकेज हायराइडर को एक नया प्रीमियम और डायनैमिक लुक देता है। एयरो एडिशन का डिज़ाइन इसे सड़क पर और भी आकर्षक बनाता है, जिसमें दमदार लुक के साथ बारीक स्टाइलिंग का शानदार मेल है। यह एडिशन उन ग्राहकों के लिए बनाया गया है जो अपने वाहन में स्टाइल, विशिष्टता और आधुनिक आराम का मेल चाहते हैं।

फ्रंट स्पॉइलर– नया फ्रंट स्पॉइलर हायराइडर के दमदार लुक को और निखारता है। यह एसयूवी को ज़्यादा शार्प और स्पोर्टी अपीयरेंस देता है, जिससे इसका रोड प्रेज़ेंस और भी प्रभावशाली बनता है।

रियर स्पॉइलर – नए डिज़ाइन वाला रियर स्पॉइलर गाड़ी को स्टाइल और परफॉर्मेंस, दोनों में बढ़त देता है। यह न सिर्फ इसकी स्पोर्टी अपील बढ़ाता है, बल्कि हवा में बेहतर पकड़ (एरोडायनेमिक एफिशिएंसी) भी सुनिश्चित करता है।

साइड स्कर्ट्स – नई साइड स्कर्ट्स गाड़ी के किनारों को सधी-संवरी और बहती हुई रेखाएँ देती हैं, जिससे इसका लुक और भी डायनेमिक और लो-स्लंग दिखाई देता है।

इससे हायराइडर का प्रीमियम और परफॉर्मेंस-प्रेरित अंदाज़ और उभरकर आता है।

एक्सक्लूसिव स्टाइलिंग पैकेज की एक्ससेरीज़ 31,999 रुपये की अतिरिक्त कीमत पर उपलब्ध है, और इन्हें देशभर के सभीटोयोटा डीलरशिप्ससे खरीदा जा सकता है।

2022 में लॉन्च होने के बाद से, अर्बन क्रूज़र हायराइडर भारतीय एसयूवी ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई है।और हाल ही में इसने 1,68,000 यूनिट्स की बिक्री का नया रिकॉर्डहासिल किया है।टोयोटा की मशहूर ग्लोबल एसयूवी विरासत पर आगे बढ़ते हुए, हायराइडर ने अपनेदमदार और आकर्षक डिज़ाइनके साथ-साथआधुनिक तकनीकके मेल से समझदार ग्राहकों की पसंदीदा कार के रूप में पहचान बनाई है।इस नए और बारीकी से तैयार किए गएएयरो एडिशन एक्ससेसरी पैकेजके साथ, हायराइडर का प्रीमियम लुक और भी निखर गया है। इसका डिज़ाइन सड़क पर इसे बाकियों से अलग और खास बनाता है।एयरो एडिशन चार रंगों में उपलब्ध है - व्हाइट, सिल्वर, ब्लैक और रेड।

अर्बन क्रूज़र हायराइडर की कीमत 10.94 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

बी-एसयूवी सेगमेंट में उत्कृष्टता का नया मानक

टोयोटा की सस्टेनेबल मोबिलिटीपेशकशों में से एक, अर्बन क्रूज़र हायराइडरने अपनेसेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक पावरट्रेनके साथ बी-एसयूवी श्रेणी में एक नया मानक स्थापित किया है।

यह स्मार्ट सिस्टम पेट्रोल और इलेक्ट्रिक पावर को बड़ी सहजता से जोड़ता है, जिससे ड्राइविंग अनुभव स्मूथ और साइलेंट रहता है, जबकि फ्यूल एफिशिएंसी बेहतरीन मिलती है।

यह एसयूवी दो पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध है - सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक पावरट्रेनऔरनियो ड्राइव।सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट ई-ड्राइव ट्रांसमिशन से लैस है और यह लगभग 40 प्रतिशत दूरी और 60 प्रतिशत समय तक सिर्फ इलेक्ट्रिक पावर पर चलता है, जब इंजन बंद रहता है। इससे इसे 27.97 किलोमीटर प्रति लीटरतक की माइलेज मिलती है।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड - वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम

मुंबई। आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा की। वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ पिछले वर्ष की तुलना में 98 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के साथ 3,627 करोड़ रुपये दर्ज हुआ। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 3,523 करोड़ रहा। शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 3.71 प्रतिशत दर्ज हुआ तथा शुद्ध ब्याज आय 3,285 करोड़ रही। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के लिए जमा लागत 4.69 प्रतिशत रही, जो वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए 4.65 प्रतिशत थी। सीआरएआर ने 341 बीपीएस की साल दर साल वृद्धि दर्ज की और यह 25.39 प्रतिशत हो गया। रिटर्न ऑन एसेट्स (आरओए) में 158 बीपीएस का सुधार हुआ और यह वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 1.97 प्रतिशत के मुकाबले वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में 3.55 प्रतिशत दर्ज हुआ। इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) 29.64 प्रतिशत रहा।

दीपिका पादुकोण की बहन ने भांजी दुआ को दिया नया नाम, सुन कर फैंस बोले- बहुत क्यूट है

हाल ही में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने अपनी बेटी दुआ का चेहरा दिखाया है। ऐसे में दीपिका की बहन अनीशा पादुकोण ने दुआ को नया नाम दिया है। इस दिवाली पर दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपनी बेटी दुआ का चेहरा दिखाकर फैंस को चौंका दिया है। इस खुशी को और बढ़ाते हुए, दीपिका की बहन अनीशा पादुकोण ने दुआ के लिए अपना प्यार दिखाया। यही नहीं उन्होंने दुआ को नया और प्यार सा नाम दिया है।

रणवीर-दीपिका ने दिखाया बेटी का चेहरा: मंगलवार को दीपिका और रणवीर ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी दुआ पादुकोण सिंह का चेहरा दिखाया। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि दुआ अपनी मां की गोद में हैं और काफी खुश हैं। एक तस्वीर में दुआ अपनी छोटी उंगली मुंह में दबाए हुए दिख रही हैं।

अनीशा पादुकोण ने दुआ को दिया नया नाम: इस पोस्ट को कई फैंस ने लाइक किया है और इस पर कमेंट किए हैं। आलिया भट्ट, कटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा जैसी अभिनेत्रियों ने दुआ को प्यार और शुभकामनाएं दीं। इस बीच दीपिका की बहन अनीशा पादुकोण के कमेंट ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने अपनी भांजी के लिए एक खास संदेश लिखा। उन्होंने प्यार से लिखा, मेरे दिल का छोटा सा टुकड़ा, मेरी टिंगू। इस कमेंट से फैंस काफी खुश हुए। उन्होंने इसे क्यूट बताया।

दीपावली के बाद दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने पर वाणी कपूर ने जताई चिंता

दीपावली के एक दिन बाद देश की राजधानी नई दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब हो गई। इस पर अभिनेत्री वाणी कपूर ने चिंता जताई।उन्होंने एक पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि अगले साल हम वायु प्रदूषण को बढ़ाए बिना जश्न मनाने का कोई नया तरीका तलाश करेंगे। वाणी कपूर ने इंस्टाग्राम पर बताया कि जब वह सुबह उठीं तो नई दिल्ली में एक्यूआई का स्तर 447 तक पहुंच गया।

उन्होंने लिखा, सुबह उठी तो दिल्ली का एक्यूआई 447 था, जो आज दुनिया में सबसे अधिक है। शायद अगले साल, हम हवा को प्रदूषित किए बिना जश्न मनाने का तरीका खोज लें। उनका इशारा दीपावली की रात में फोड़े गए पटाखों से हुए प्रदूषण की तरफ था, जिसके चलते राजधानी की वायु गुणवत्ता का स्तर गिर गया। दीपावली के बाद अक्सर दिल्ली-एनसीआर का एक्यूआई लेवल बढ़ जाता है। इसके लिए अधिकतर लोग दीपावली में इस्तेमाल किए गए पटाखों को दोष देते हैं। फिल्मों की बात करें तो वाणी कपूर को पिछली बार 'द बुचर ऑफ बनारस' उपन्यास पर आधारित 'मंडला मर्डर्स' में देखा गया था। इसके साथ उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू किया था। इसमें उत्तर प्रदेश के एक काल्पनिक शहर चरणदासपुर की कहानी है। यहां होने वाले मर्डर एक पुरानी लेकिन अजीब प्रथा से जुड़े थे।

इसकी जांच करने में जुटी पुलिस के सामने ऐसे भेद खुलते हैं जो कुछ लोगों की आस्था पर सवाल खड़े करते हैं। इस सीरीज में वैभव राज गुप्ता, सुरवीन चावला, रघुबीर यादव और श्रिया पिलगांवकर जैसे कलाकार भी हैं। वाणी कपूर अगली बार नवजोत गुलाटी द्वारा निर्देशित 'बदतमीज गिल' में दिखाई देंगी। इस फिल्म में अपारशक्ति खुराना, परेश रावल, शीबा चड्ढा, रिचर्ड क्लेन और मोनिका चौधरी भी हैं। इसकी रिलीज डेट अभी फाइनल नहीं हुई है।

फिर प्यार में पड़ीं
बिग बॉस फेम पवित्रा पुनिया

पवित्रा पुनिया ने एक ऐसे व्यक्ति से सगाई की है, जो मनोरंजन जगत से नहीं है। पवित्रा ने अपने पार्टनर और सगाई की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। ये है मोहब्बतें और गीत- हुई सबसे पराई जैसे टीवी शो के लिए मशहूर अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने सगाई कर ली है। उन्होंने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति से सगाई की है, जो मनोरंजन जगत से नहीं है। पवित्रा ने अपने पार्टनर और सगाई की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। आइए देखते हैं उनकी पोस्ट में क्या है?

पवित्रा ने दिखाई पार्टनर की झलक

पवित्रा पुनिया ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं उनमें देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति उन्हें प्रपोज कर रहा है। कई तस्वीरों में पवित्रा उस व्यक्ति के साथ गले मिल रही हैं। यह तस्वीरें इस तरह से ली गई हैं कि तस्वीरों में उनके पार्टनर का चेहरा नहीं दिख रहा है। तस्वीरें शेयर करते हुए पवित्रा ने कैप्शन में लिखा प्यार में बंध गई। हमने इसे आधिकारिक बना दिया। पवित्रा पुनिया जल्द ही मिसेज एनएस बनने वाली हैं।

एजाज खान से था रिश्ता

हाल ही में एक इंटरव्यू में, पवित्रा ने दोबारा प्यार पाने के बारे में बात की। इससे पहले उनकी सगाई अभिनेता और बिग बॉस 14 के साथी प्रतियोगी एजाज खान से हुई थी। 2023 में अलग होने से पहले उन्होंने लगभग तीन साल तक एक-दूसरे को डेट किया।

नए पार्टनर के बारे में

बातचीत में पवित्रा ने कहा कि वह विदेश में अपने नए पार्टनर और उनके परिवार के साथ दिवाली मनाएंगी। एचटी से बात करते हुए पुनिया ने अपने रिश्ते की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हां, मुझे फिर से प्यार मिल गया है और इस साल दिवाली मेरे लिए और भी खास है क्योंकि मैं इसे अपने नए परिवार के साथ मना रही हूं। उन्होंने बताया वह अमेरिका के एक बिजनेसमैन हैं, कोई एक्टर नहीं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और दयालु हैं। हम पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के साथ अच्छे रिश्ते में हैं।

चित्रांगदा सिंह की तबीयत बिगड़ी

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह की तबीयत ठीक नहीं है। उन्होंने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की है। सोशल मीडिया पर लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।चित्रांगदा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज

पर अस्पताल के बिस्तर से अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। इस फोटो में चित्रांगदा बिस्तर पर लेटी हैं और उनके हाथ में ड्रिप लगी हुई है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, जल्द ही खरगोश की तरह दौड़ने लगूंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने अस्पताल में भर्ती होने का कारण नहीं बताया। उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर छाई है। इसे देखने के बाद फैंस चित्रांगदा के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। फिल्मों की बात करें तो चित्रांगदा सिंह को पिछली बार हाउसफुल 5 में देखा गया था। इसमें अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप जैसे कलाकार हैं। फिल्म में वह विलेन के रोल में दिखाई दी थीं। उनकी एक्टिंग को बहुत ही सराहा गया था। यह फिल्म हाउसफुल फ्रेंचाइजी की पांचवीं फिल्म थी, जिसके दो भाग रिलीज किए गए थे।

मी नो पॉज मी प्ले में लीड किरदार निभा रही हैं काम्या पंजाबी

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री और लंबे समय से टेलीविजन पर अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली काम्या पंजाबी ने अभिनय

की नई मिसाल पेश करते हुए मेनोपॉज जैसे विषय पर बेस्ड एक ऐसी फिल्म मी नो पॉज मी प्ले में काम किया है, जिस तरह के विषय को बड़े पर्दे पर शायद ही कभी दिखाया गया हो। इतना ही नहीं, मेनोपॉज पर भारत की यह पहली हिंदी फीचर फिल्म भी है। इसी वजह से भारतीय सिनेमा के लिए एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए मी नो पॉज मी प्ले का पोस्टर भी वर्ल्ड मेनोपॉज डे पर ही जारी किया गया। मी नो पॉज मी प्ले महिला-केंद्रित कहानी कहने की दिशा में एक साहसिक कदम भी है।

बिग बॉस 9 फेम प्रिया मलिक दिवाली पर हादसे का शिकार

कपड़ों में लगी आग; बाल-बाल बची जान, सुनाई आपबीती

बिग बॉस 9 फेम प्रिया मलिक दिवाली के मौके पर हादसे का शिकार हो गईं। इस हादसे में वे बाल-बाल बची हैं। अभिनेत्री के कपड़ों और बालों में आग लग गई थी। हादसे की आपबीती प्रिया ने सोशल मीडिया पर शेयर की।

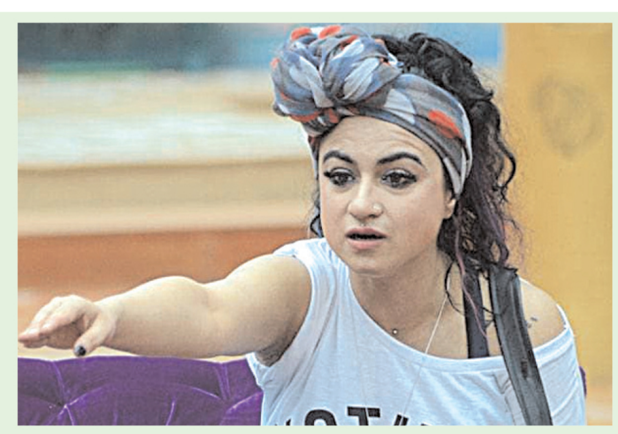

प्रिया मलिक बीती रात दिवाली के जश्न में डूबी थीं। इसी दौरान उनके साथ एक हादसा हो गया। वे आग की लपटों में झुलस गईं। हालांकि, वक्त रहते उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। इस हादसे की आपबीती प्रिया मलिक ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए बताया कि वे इस हादसे में बाल-बाल बची हैं।

पिता ने दिखाई तत्परता, बाल-बाल बचीं प्रिया

प्रिया मलिक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर किए हैं। इसके जरिए उन्होंने बताया कि हादसा उस वक्त हुआ, जब वे दिवाली सेलिब्रेट करते हुए फोटोज क्लिक करा रही थीं। हालांकि, उनके पिता ने तत्परता दिखाई और उन्हें बचा लिया, वरना हादसा गंभीर रूप ले सकता था।

दीये से कपड़ों में लगी आग

प्रिया मलिक ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उस भयावह हादसे की घटना को याद करते हुए पोस्ट शेयर किया है। इससे वह और उनका परिवार स्तब्ध रह गए। प्रिया मलिक ने लिखा कि वह अपने पड़ोसियों के साथ तस्वीरें लेते हुए एक दीये के पास खड़ी थीं, तभी उनके आउटफिट में अचानक आग लग गई, जिसने उनकी पूरी पीठ, नीचे से कंधों तक और बालों के जूड़े तक को अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने आगे लिखा, इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाती, मैंने अपने दाहिने कंधे से आग की लपटें उठती देखीं और महसूस किया कि मेरी पूरी पीठ में आग लग गई है।

सदमे में प्रिया और उनका परिवार

प्रिया के मुताबिक, मैं किसी छोटी-मोटी आग की नहीं, बल्कि भीषण लपटों की बात कर रही हूं। शुक्र है कि मेरे पिताजी जलते हुए कपड़ों को फाड़ने में कामयाब रहे, क्योंकि जलने से बचने का यही एकमात्र रास्ता था। लेकिन इस घटना से मैं और मेरा परिवार गहरे सदमे में हैं। प्रिया ने आगे बताया कि इस घटना ने उन्हें एहसास दिलाया कि एक साधारण लेकिन सामान्य सी लापरवाही जानलेवा हो सकती है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस घटना ने उन्हें बहुत झकझोर दिया है। प्रिया ने लिखा, उस पल में मेरे पिताजी हीरो थे। मैं ठीक हूं। मेरे कंधों, पीठ और उंगलियों पर मामूली जलन है। बता दें कि प्रिया को नजर, क्राइम पेट्रोल और सावधान इंडिया जैसे शो में देखा जा चुका है।

इस दीपावली, ट्रॉफी, रोशनी और खुशियां सब घर में हैं

अभिनेता अर्जुन बिजलानी के लिए इस बार की दीपावली बहुत ही खास रही। इस बार उन्होंने रियलिटी शो राइज एंड फॉल की पहली ट्रॉफी अपने नाम की है।अर्जुन रोशनी के इस त्योहार को बहुत ही कृतज्ञता और खुशी के साथ मना रहे हैं। अभिनेता ने एक इंटरव्यू में कहा, इतने रोमांचक सफर के बाद अपने परिवार के साथ दीपावली मनाकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पिछले कुछ महीने काफी तनावपूर्ण रहे हैं, लेकिन ऐसे पल इसे सार्थक बना देते हैं। अर्जुन का मानना है कि असली जश्न तब शुरू होता है जब वह अपने प्रियजनों के साथ होते हैं। उन्होंने कहा, मेरे लिए दीपावली का मतलब है सबके साथ होने का अहसास। दीये जलाना, पूजा करना और नेहा व अयान के साथ समय बिताना, यही मेरे दिल को सचमुच भर देता है। दीपावली से कुछ दिन पहले राइज एंड फॉल की ट्रॉफी घर लाने के बाद अर्जुन ने दावा किया कि यह समय इससे बेहतर और क्या हो सकता था। उन्होंने कहा, शो जीतना तो हमेशा से ही मेरी सूची में था, लेकिन दीपावली के दौरान ट्रॉफी घर लाना, यह एक आशीर्वाद है।

दबंग डायरेक्टर ने फिर साधा सलमान खान पर निशाना

एक बार फिर दबंग के निर्देशक अभिनव कश्यप ने सलमान खान पर कई इल्जाम लगाए हैं। इससे पहले सलमान खान ने उन्हें नसीहत दी थी।

दबंग के निर्देशक अभिनव कश्यप पिछले काफी समय से सलमान खान के खिलाफ चौंकाने वाले दावे करते आ रहे हैं। 2010 में आई यह फिल्म हिट साबित हुई, लेकिन कश्यप का कहना है कि पर्दे के पीछे सब कुछ ठीक नहीं था। हाल ही में, उन्होंने सेट पर तनावपूर्ण पलों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने सलमान खान पर कई हैरान करने वाले इल्जाम भी लगाए।

अभिनव कश्यप ने लगाए इल्जाम

बॉलीवुड ठिकाना के साथ बातचीत में कश्यप ने दावा किया कि सलमान ने एक बार फिल्म के एडिटर को किडनैप कर लिया था ताकि प्रोजेक्ट पर पूरा कंट्रोल पा सकें। कश्यप ने कहा सलमान ने मेरे एडिटर और एडिटिंग मशीन को किडनैप कर लिया और उसे अपने फार्म हाउस पर ले गए। फिर उन्होंने उसे कुछ समझाने के बाद ही वापस लौटने दिया। सलमान ने एक बार मेरे एडिटर को चेतावनी भी दी थी कि अगर डायरेक्टर ने फिल्म के साथ छेड़छाड़ की तो उसे सिलेंडर से मारेंगे।

सलमान ने दिया कश्यप को जवाब

बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में सलमान खान ने कश्यप की पिछली टिप्पणी के बारे में कहा मेरे साथ उन्होंने आमिर को भी लपेटे में ले लिया। पिछले वीकेंड के वार पर मैंने ऐसे ही बोला था कि काम करो यार। किसी को कोई दिलचस्पी नहीं है। आज फिर से पूछना चाहता हूं, काम मिला क्या भाई? मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि ये जो नाम लेकर बुराई कर रहे हो, तो क्या ये लोग आपके साथ कभी काम करेंगे? आपके साथ जो लोग जुड़े हैं वह भी काम नहीं करेंगे।

सलमान ने कश्यप को दी सलाह

सलमान खान ने आगे कहा मुझे सिर्फ एक ही चीज बुरी लगी कि आपने खुद को बर्बाद कर लिया। अगर किसी परिवार के पीछे पड़ना है तो खुद के परिवार के पीछे पड़ो। वे आपके बारे में चिंतित हैं। मैं आपको आगे बढ़ते हुए देखना चाहता हूं।

लगाया किडनैपिंग का आरोप

पहले भाईजान दे चुके ये भाईजान दे चुके ये नसीहत

सलमान खान का काम

सलमान खान आखिरी बार रश्मिका मंदाना के साथ फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज हुई थी। वह फिलहाल बैटल ऑफ गलवां की शूटिंग कर रहे हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग:

जसप्रीत बुमराह के लिए मुसीबत बना पाकिस्तान का 39 साल का गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बादशाहत पर खतरा मंडराने लगा है. 39 साल के स्पिनर उनके काफी करीब पहुंच गया है. ये स्पिनर साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए ये मुकाम हासिल किया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान के इस स्पिनर ने काफी अच्छी गेंदबाजी की थी और 10 विकेट हासिल किए थे. आईसीसी टेस्ट बॉलिंग की रैंकिंग में ये गेंदबाज दूसरे स्थान पर पहुंच गया है.

,नंबर1 रैंकिंग पर खतरा

नुमान अली ने लगाई लंबी छलांग

पाकिस्तान के स्टार स्पिनर नुमान अली ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं. इस दौरान वो जसप्रीत बुमराह को कड़ी टक्कर दे रहे हैं. जसप्रीत बुमराह इस रैंकिंग में टॉप पर हैं. उनके 882 रेटिंग हैं, जबकि नुमान अली 853 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर हैं. न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हैनरी तीसरे नंबर पर हैं.

साई दरबार में सूर्यकुमार यादव!

टी-20 सीरीज़ से पहले शिर्डी में लिया साईं बाबा का आशीर्वाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज़ 29 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने जा रही है. इस अहम दौरे से पहले भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पत्नी देविषा शेट्टी के साथ शिर्डी पहुंचे और साईं बाबा के दरबार में श्रद्धापूर्वक दर्शन किए. दिवाली के अवसर पर दोनों ने साईं बाबा की मध्यान्ह आरती में शामिल होकर पूजा-

अर्चना की. सूर्यकुमार यादव ने साईं समाधि पर केसरी रंग की शॉल अर्पित की और द्वारकामाई व गुरुस्थान के भी दर्शन किए. साईं बाबा संस्थान के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे ने सूर्यकुमार यादव और उनके परिवार का साईबाबा शॉल भेंट कर सत्कार किया. इस आध्यात्मिक यात्रा के बाद सूर्यकुमार यादव अब ऑस्ट्रेलिया रवाना होंगे. क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में टीम इंडिया इस टी-20 सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन करेगी.

पाकिस्तान भी वर्ल्ड कप से बाहर

अब एक स्पॉट के लिए तीन टीमों में जंग, दिलचस्प हुआ सेमीफाइनल का समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में पाकिस्तानी टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें पूरी तरह ध्वस्त हो गई हैं. 21 अक्टूबर (मंगलवार) को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में हुए मुकाबले में पाकिस्तन को साउथ अफ्रीका ने डीएलएस नियम के तहत 150 रनों से हरा दिया.

बारिश से प्रभावित मैच में पाकिस्तानी टीम को 20 ओवर्स में 234 रन बनाने थे, लेकिन वो सात विकेट पर 83 रन ही बना सकी. मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 40 ओवरों में 9 विकेट पर 312 रन बनाए थे. साउथ अफ्रीका इस जीत के साथ ही अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गया. महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका की टीम्स पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं. वहीं पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश अंतिम-चार की रेस से बाहर हो चुका है. अब चौथे एवं आखिरी स्थान के लिए भारत, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच रेस है. बात पहले भारतीय टीम की करते हैं. हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम इस समय 4 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर है. टीम इंडिया ने 5 मैच खेले हैं और उसका नेट रनरेट +0.526 है. भारत को अब न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले

खेलने हैं. अगर भारत अपने दोनों बचे मैच हारता है, तो उसका सफर यहीं खत्म हो जाएगा. न्यूजीलैंड के पांच मैचों से 4 अंक हैं और उसका नेट रनरेट -0.245 है. न्यूजीलैंड की टीम पांचवें नंबर पर है. अगर न्यूजीलैंड अपने दोनों मैच (बनाम भारत और इंग्लैंड) जीत लेता है, तो वह 8 अंकों के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा. अगर न्यूजीलैंड की टीम भारत को हराती है, लेकिन इंग्लैंड से हार मिलती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि बांग्लादेश की टीम भारत को हराए. साथ ही उसका नेट रन रेट श्रीलंका से बेहतर रहे या पाकिस्तानी टीम श्रीलंका को हरा दे. श्रीलंकाई टीम 6 मैचों में 4 अंकों के साथ छठे नंबर पर है. श्रीलंका का नेट रनरेट -1.035 है. श्रीलंका का केवल एक मैच बचा है, जो पाकिस्तान के खिलाफ है. पाकिस्तान के खिलाफ जीत भी श्रीलंका के लिए काफी नहीं होगा. उसे यह उम्मीद करनी होगी कि भारत अपने दोनों मैच (बनाम न्यूजीलैंड और बांग्लादेश) हार जाए, वहीं न्यूजीलैंड को इंग्लैंड से हार मिले. इसके साथ ही श्रीलंका का नेट रनरेट न्यूजीलैंड से बेहतर रहे.

न्यूजीलैंड को हराने पर मिलेगा सेमीफाइनल का टिकट

अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड को हरा देती है वो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी क्योंकि उसके 6 अंक हो जाएंगे. भारत सेमीफाइन की रेस में शामिल तीन टीम्स में ऐसी अकेली ऐसी टीम होगी, जिसने तीन मैच जीते होंगे. लेकिन अगर भारतीय टीम न्यूजीलैंड से हारती है और वो बांग्लादेश को हराती है, तो उसे उम्मीद करनी होगी कि इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड को हराए, तभी भारत टॉप-4 में पहुंच पाएगा.

दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया के निशाने पर होंगे रोहित और कोहली, कंगारूओं ने Ro-Ko के लिए बनाई योजना

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भी जानते हैं कि रोहित-कोहली पर एडिलेड में रन बनाने का दबाव होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दोनों ही बल्लेबाजों की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

भारतीय टीम को दूसरे वनडे में घेरने के लिए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने साढ़े सात माह बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली को निशाना बनाने की योजना बनाई है। पहले वनडे में फ्लॉप रहे दोनों दिग्गजों के लिए एडिलेड का मैच महत्वपूर्ण होगा। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भी जानते हैं कि दोनों पर एडिलेड में रन बनाने का दबाव होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दोनों ही बल्लेबाजों की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे गुरुवार को भारतीय समयानुसार सुबह नौ बजे से खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की कोशिश इन दोनों को एक बार फिर सस्ते में आउट करते हुए भारतीय टीम पर दबाव बनाकर एडिलेड में ही सीरीज जीतने की होगी। वहीं, भारतीय टीम की कोशिश पर्थ में मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर पलटवार करने की होगी, लेकिन इसके लिए गुरुवार को होने वाले दूसरे वनडे में रोहित और विराट के बल्ले से रन निकलना अहम होगा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का कहना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम जब भारत के खिलाफ एडिलेड में उतरेगी तो उसकी कोशिश विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर की कमजोरी का फायदा उठाने की होगी। पर्थ में भी मिचेल स्टार्क ने विराट को शून्य पर ऑफ स्टंप के बाहर स्विंग होती गेंद पर आउट किया था। बीते कुछ समय में विराट ऑफ स्टंप के बाहर अपनी गलती के चलते कई बार आउट हुए हैं।

स्टार्क-हेजलवुड उठाएंगे कमजोरियों का फायदा: विराट और रोहित की पर्थ में नाकामी का ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट ने कहा कि वह तेज गेंदबाजों की मंत्रणा में शामिल नहीं थे लेकिन हाल ही में विराट इसी तरह आउट हो रहे हैं (ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर)। जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क ने उनके खिलाफ काफी गेंदबाजी की है, वे जानते हैं कि उन्हें इन दोनों के खिलाफ क्या करना है। शॉर्ट ने कहा कि पर्थ में इन गेंदबाजों ने परिस्थितियों को ही सारा काम करने दिया, विकेट पर थोड़ी स्विंग और तेजी थी। शॉर्ट को यकीन है कि ये दोनों गेंदबाज एडिलेड में भी फिर से ऐसा ही करेंगे। रोहित पर्थ में हेजलवुड की शरीर पर आ रही पटकी हुई गेंद को संभाल नहीं पाए थे, जबकि विराट ऑफ स्टंप के बाहर स्विंग हो रही गेंद को हवा में खेल बैठे थे।

विराट के लिए घर जैसा है एडिलेड ओवल

विराट कोहली के लिए एडिलेड ओवल एक ऐसा मैदान है, जहां उन्होंने काफी रन बनाए हैं। इस मैदान पर तीनों प्रारूपों में उनका औसत 65 के आसपास है और वह यहां पांच अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ चुके हैं। दो शतक उन्होंने यहां वनडे में लगाए हैं। उन्होंने यहां वनडे में 18,15,107 और 104 रन की पारियां खेली हैं। ऐसे में वह आत्मविश्वास के साथ एडिलेड में बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। फिर पर्थ की अपेक्षा यहां उछाल भी नहीं होगा। एडिलेड की पिच बल्लेबाजों को रास आती है। रोहित शर्मा भी एडिलेड की पिच का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। हालांकि रोहित का एडिलेड में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। वह यहां वनडे में अपने पहले अर्धशतक की तलाश में हैं। वह इस मैदान पर वनडे में 1, 24, 33, 15, 15, 43 रन की पारियां खेल पाए हैं।

एकबार फिर टीम इंडिया ने पाकिस्तानी कप्तान से नहीं मिलाया हाथ, मैच में 81-26 से रौंदा!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई युवा खेलों में भारत की युवा कबड्डी टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने पूरे देश को गर्व से भर दिया. बहरीन में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 81-26 के विशाल अंतर से हरा दिया. इस मैच से पहले टॉस के दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसने सबका ध्यान खींच लिया. भारतीय कप्तान ईशांत राठी ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया.

पाकिस्तान की करारी हार: टॉस के वक्त हुए इस 'नो हैंडशेक' मोमेंट के बावजूद, भारतीय टीम ने मैदान पर शानदार खेल दिखाया. शुरू से ही भारत ने मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा. पाकिस्तान की टीम भारतीय खिलाड़ियों की गति और रणनीति के आगे टिक ही नहीं पाई. इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को 83-19 और श्रीलंका को 89-16 से हार का स्वाद चखाया था. यानी टीम इंडिया अब तक टूर्नामेंट में अपराजित रही है और फाइनल की ओर मजबूती से बढ़ रही है.

कबड्डी में भारत का एकछत्र राज

पहली बार है जब कबड्डी को एशियाई युवा खेलों का हिस्सा बनाया गया है. सात देशों की टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से भिड़ रही हैं. इस फॉर्मेट में जो टीमें शीर्ष पर रहेंगी, वे 23 अक्टूबर को होने वाले फाइनल मुकाबले में आमने-सामने होंगी. मौजूदा प्रदर्शन देखकर ऐसा लगता है कि भारत फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर चुका है.

'नो हैंडशेक' से उठे सवाल, लेकिन मिला देश का समर्थन: भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच हाथ न मिलाने का ट्रेंड अब बार-बार दिखने लगा है. कुछ महीने पहले एशिया कप क्रिकेट में भी सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम ने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाने का फैसला किया था.

सचिन से 5000 ज्यादा मेरे रन...

सबसे ज्यादा शतक भी मेरे होते, ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के बयान से सब हैरान

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस्टर क्रिकेट के नाम से मशहूर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइक (माइकल) हसी का एक बयान खूब वायरल हो रहा है. हसी ने कहा है कि अगर उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा मौके मिले होते या सही समय पर उनका डेब्यू हुआ होता तो फिर वह भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर से 5000 रन ज्यादा बना देते. यू-ट्यूब चैनल पर माइक हसी ने कहा, मेरे टाइम पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में काफी प्रतिभा थी, जिस कारण मुझे देरी से मौका मिला. अगर मुझे सही समय पर मौका मिला होता तो यकीनन मैं सचिन तेंदुलकर से ज्यादा रन बना देता. हसी ने आगे कहा, मैंने इसके बारे में बहुत सोचा है. मैं सचिन से 5000 रन पीछे रह जाऊंगा, जो इस खेल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. सबसे ज्यादा जीत, सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा एशेज और सबसे

ज्यादा वर्ल्ड कप, हर चीज मेरे नाम. फिर बदकिस्मती से मैं सुबह उठता हूं तो यह सब सपना लगता है. फिर मैं सोचता हूं मुझे पहले मौका मिला होता तो ज्यादा अच्छा होता. बता दें कि इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन सचिन तेंदुलकर के नाम हैं. टेस्ट में सचिन ने 15921 रन, वनडे में 18426 रन और टी20 में 10 रन बनाए. ऐसे में सचिन के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 34 हजार से ज्यादा रन हैं. अब हसी का यह कहना है कि वह सचिन से 5000 रन बना देते, हर किसी को हैरान करने वाला है. माइकल हसी को करीब 31 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला था. वह ऑस्ट्रेलिया के लिए 79 टेस्ट, 185 वनडे और 38 टी20 मैच खेले. टेस्ट में हसी के नाम 6235 रन, वनडे में 5442 रन और टी20 में 721 रन हैं

. हसी ने टेस्ट में 19 और वनडे में 3 शतक जड़े. वह सचिन से इंटरनेशनल क्रिकेट में 78 शतक पीछे रहे. सचिन तेंदुलकर के जहां 100 शतक रहे, वहीं हसी के नाम 22 शतक ही रहे.

समरदीप पर नजरें

सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगा पाकिस्तान, भारत उतारेगा युवा दल

रांची, एजेंसी। रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है। बीते एक वर्ष में दो बार स्थगित होने के बाद 24 अक्तूबर से रांची में आयोजित होने जा रही सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पाकिस्तान भाग नहीं लेगा। पाकिस्तान ने इस चैंपियनशिप के लिए प्रवेश ही नहीं भेजा है। इससे पहले यह चैंपियनशिप दो बार पाकिस्तानी एथलीटों को वीजा नहीं दिए जाने के चलते स्थगित की गई थी। 26 अक्तूबर तक रांची के बिरसा मुंडा स्टेडियम में होने जा रही इस चैंपियनशिप में छह देशों के तकरीबन 300 एथलीट शिरकत करने जा रहे हैं। मेजबान भारत ने भी इस चैंपियनशिप के लिए अपने प्रमुख एथलीटों की बजाय युवा एथलीटों को मौका देने का फैसला लिया है।

90 भारतीय एथलीट भाग लेंगे

चैंपियनशिप का आकर्षण शॉटपुटर समरदीप सिंह गिल होंगे। गिल पिछले तीन टूर्नामेंट से एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तेजिंदर पाल सिंह तूर को हराते आ रहे हैं। उन्होंने अंतरराज्यीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में अगस्त माह में 19.82 मीटर गोला फेंका था। चैंपियनशिप में भारत के 90 के करीब एथलीटों के शिरकत करने की उम्मीद है। इनमें 400 मीटर में नीरू पाठक, डिस्कस थ्रो में किरपाल सिंह, 800 मीटर में लिली दास, 4 गुणा 400 मीटर रिले में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता एमआर पूवम्मा, प्रिया मोहन, 4 गुणा 100 मीटर रिले में एमवी जिल्ना, पुरुष जेवलिन थ्रो में ऋषभ नेहरा, हिमांशु जैसे एथलीट शामिल हैं।

पेरिस मास्टर्स में हिस्सा नहीं लेंगे नोवाक जोकोविच, चोट बनी वजह? अगले सप्ताह होना है टूर्नामेंट

पेरिस, एजेंसी। जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था।

सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से हट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिये इसकी जानकारी दी है। जोकोविज इससे पहले पैर में चोट के कारण मैत्री टूर्नामेंट से भी हट गए थे। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच इस सीजन लगातार नहीं खेल सके हैं। उन्होंने चार ग्रैंडस्लैम के अलावा सिर्फ आठ एटीपी टूर इवेंट में ही हिस्सा लिया है।

पेरिस मास्टर्स:

इस सीजन चारों ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

38 साल के जोकोविच इस सीजन में ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। मई से लेकर सितंबर के अंतिम सप्ताह तक जोकोविक ने सिर्फ तीन ग्रैंडस्लैम में ही हिस्सा लिया था। हाल ही में शांघाई मास्टर्स के सेमीफाइनल के दौरान उन्हें कुछ दिक्कत लगी थी। पिछले सप्ताह सऊदी अरब में सिक्स किंग्स स्लैम में उन्हें आमंत्रित किया गया था। ओपनिंग दौर में बाई मिलने के बाद जोकोविच यानिक सिनर से हार गए थे। तीसरे स्थान पर रहने के लिए उनका टेलर फ्रिट्ज से हुआ, लेकिन एक सेट के बाद ही उन्होंने मैच रोक दिया। जोकोविच एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने के बाद 2024 में इस टूर्नामेंट में नहीं खेले थे। इस बार ये टूर्नामेंट नौ से 16 नवंबर तक इटली के तुरिन में होगा।

तेजस्वी यादव महागठबंधन के CM फेस, मुकेश सहनी समेत 2 उपमुख्यमंत्री कैंडिडेट

-अशोक गहलोत ने NDA को चुनौती दी

नई दिल्ली/पटना। बिहार चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में महागठबंधन ने स्पष्ट रूप से अपना मुख्यमंत्री चेहरा तय कर दिया है। राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में महागठबंधन का सीएम फेस राजद प्रमुख तेजस्वी यादव होंगे। यह ऐलान महागठबंधन की ओर से आयोजित जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान साफ शब्दों में कहा कि महागठबंधन का नेता तेजस्वी यादव हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महागठबंधन अगर सत्ता में आया तो उपमुख्यमंत्री मुकेश सहनी होंगे। इसके साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि उपमुख्यमंत्री पद अन्य पिछड़े और अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को भी दिया जाएगा। गहलोत ने कहा, "हमारा नेता तो तेजस्वी यादव हैं, अब NDA यह बताए कि उनका CM फेस कौन होगा। केवल यह कहना कि हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे, पर्याप्त नहीं है। जनता का आकलन अलग होगा। उन्हें भी स्पष्ट करना होगा कि उनके नेता कौन हैं।" प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने मुझ पर फिर से भरोसा जताया है, इसके लिए मैं सभी का दिल से धन्यवाद करता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है और हम इस भरोसे पर खरा उतरेंगे। तेजस्वी ने जोर देकर कहा कि पिछले 20 सालों की "निकम्मी सरकार" को उखाड़ फेंकना और बिहार को विकास की नई राह पर ले जाना उनका मुख्य लक्ष्य होगा। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस कुल 50 मिनट तक चली और इसमें आरजेडी, कांग्रेस, VIP समेत सात दलों के कुल 14 नेता शामिल हुए। सभी दलों के नेताओं को बोलने का मौका दिया गया और उन्होंने अपनी-अपनी बातें साझा की। प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत महागठबंधन के सभी दलों की एकजुटता और सहयोग की भावना पर जोर देने से हुई। सभी नेताओं ने अपने भाषणों में यह स्पष्ट किया कि महागठबंधन बिहार में विकास, सामाजिक न्याय और समान अवसर की राजनीति को मजबूत करने के लिए एकजुट है। महागठबंधन ने यह भी स्पष्ट किया कि उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सिर्फ मुकेश सहनी तक सीमित नहीं होगी। कई उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे, जो पिछड़े वर्ग और अन्य सामाजिक समुदायों का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह कदम महागठबंधन की कोशिश को दर्शाता है कि वह बिहार की विभिन्न जातीय और सामाजिक समूहों के बीच संतुलन बनाकर चुनावी रणनीति तैयार कर रहा है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान महागठबंधन के सभी नेताओं ने यह संदेश देने की कोशिश की कि वे बिहार की जनता के लिए विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय की नीति को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। तेजस्वी यादव पर मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने का निर्णय यह संकेत देता है कि महागठबंधन को विश्वास है कि वे राज्य की राजनीति में मजबूत पकड़ रखते हैं और जनता का विश्वास जीत सकते हैं। वहीं, अशोक गहलोत ने NDA को चुनौती देते हुए कहा कि अगर वे केवल यह दावा करते हैं कि उनके नेतृत्व में चुनाव होगा, तो यह पर्याप्त नहीं है। जनता को यह जानना है कि उनके नेता कौन हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने स्पष्ट रूप से अपना नेता और नीतियों का ढांचा तय कर लिया है। महागठबंधन ने अपने नेताओं की एकजुटता और स्पष्ट नेतृत्व की तस्वीर जनता के सामने रखी है। इस जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसमें शामिल सभी दलों के नेताओं ने महागठबंधन के उद्देश्यों और बिहार में बदलाव की जरूरत को प्रमुखता से रेखांकित किया। उन्होंने बिहार के विकास के लिए महागठबंधन की नीतियों और विजन पर जोर दिया। इस अवसर पर सभी नेताओं ने अपने भाषणों में एकजुटता, सहयोग और लोकतांत्रिक मूल्य के महत्व को भी रेखांकित किया।

दिल्ली में हवा की गुणवत्ता चिंताजनक: AQI 500 पार

-लोगों को घर में रहने की सलाह

नई दिल्ली। दिल्ली में दिवाली के बाद हवा की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट देखी जा रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार सुबह दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 353 दर्ज किया गया। यह स्तर 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है और स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। कई इलाके 'रेड जोन' में हैं, जहां लोगों को घरों में रहने और बाहरी गतिविधियों को कम करने की सख्त सलाह दी गई है। विशेष रूप से आनंद विहार क्षेत्र की स्थिति चिंताजनक है। यहां सुबह 5:30 बजे AQI 511 तक पहुंच गया, जो 'गंभीर' स्तर को दर्शाता है। इसका मतलब है कि हवा में प्रदूषक तत्व इतने अधिक हैं कि सामान्य लोगों के साथ-साथ संवेदनशील समूहों—जैसे बच्चे, बुजुर्ग और श्वसन रोग से ग्रस्त लोग—को भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि जब तक AQI मीडियम या सुरक्षित स्तर तक न आ जाए, तब तक दिल्ली-एनसीआर के लोगों को बाहर की गतिविधियों को सीमित करना चाहिए। दिल्ली के कई इलाकों में सुबह के समय स्मॉग छाया रहा। अक्षरधाम मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में विजिबिलिटी काफी कम थी, जिससे सामान्य जीवन और यातायात पर भी असर पड़ा। दिल्ली की हवा में पीएम2.5 और पीएम10 जैसे सूक्ष्म कणों की मात्रा उच्च स्तर पर है, जो फेफड़ों और हृदय स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माने जाते हैं। इस समय सड़क पर चलने वाले लोगों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए मास्क पहनना आवश्यक हो गया है। हवा की गुणवत्ता खराब होने का मुख्य कारण दिवाली के दौरान बढ़ी आतिशबाजी और पटाखों का धुआं है। इसके अलावा, ठंडी हवा, धूल, वाहनों का धुआं और औद्योगिक प्रदूषण भी AQI बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। खासकर सुबह और रात के समय ठंडी हवा के कारण प्रदूषक तत्व नीचे जम जाते हैं, जिससे हवा और भी घनी और अस्वस्थ हो जाती है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की यह समस्या हर साल दिवाली के बाद आम हो जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रशासन को न केवल पटाखों पर नियंत्रण करना चाहिए बल्कि लोगों को समय पर चेतावनी देकर स्वास्थ्य सुरक्षा के उपाय अपनाने की जानकारी भी देनी चाहिए। इसके साथ ही, घरों में एयर प्यूरीफायर का उपयोग, बाहर जाने पर मास्क पहनना और बच्चों तथा बुजुर्गों को बाहरी गतिविधियों से दूर रखना जरूरी है। सरकारी एजेंसियों ने लोगों से अपील की है कि वे अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्रों में कम से कम समय बिताएं और विशेष रूप से सांस की बीमारी वाले लोग घर में ही रहें। बच्चों को खेल-कूद के लिए बाहरी मैदानों में भेजने से बचें और अगर जरूरी हो तो नाक-मुँह ढककर रखें।

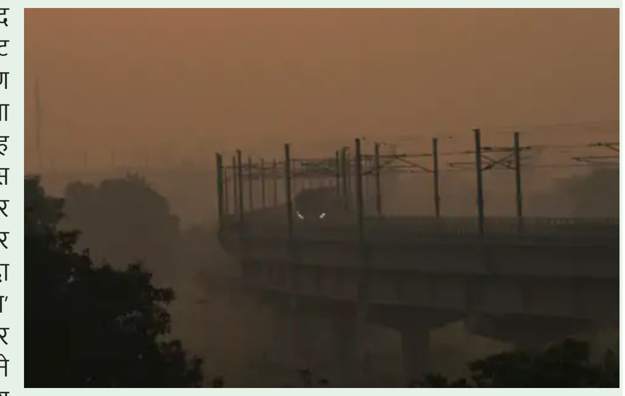

दिल्ली में बिहार के कुख्यात बदमाशों का एनकाउंटर: सिग्मा गैंग के सरगना समेत 4 मारे गए

-चुनाव से पहले दहशत फैलाने की साजिश नाकाम

पटना। दिल्ली में बुधवार की देर रात एक बड़े एनकाउंटर ने राजधानी में सनसनी फैला दी। दिल्ली पुलिस और बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चार बदमाशों को मौत के घाट उतारा गया, जिनमें तीन बिहार के सीतामढ़ी जिले के रहने वाले थे और एक दिल्ली का निवासी था। यह एनकाउंटर बहादुर शाह मार्ग पर डॉक्टर अंबेडकर चौक से लेकर पंसाली चौक तक चला। पुलिस और बदमाशों के बीच भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें सभी चारों बदमाशों को गंभीर चोटें आईं। उन्हें तुरंत रोहिणी स्थित डॉ. बीएसए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मारे गए बदमाशों में रंजन पाठक (25), बिमलेश महतो उर्फ बिमलेश साहनी (25), मनीष पाठक (33) और अमन ठाकुर (21) शामिल थे। इनमें रंजन, बिमलेश और मनीष बिहार के सीतामढ़ी जिले के रहने वाले थे जबकि अमन ठाकुर दिल्ली का स्थानीय निवासी था। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि यह एनकाउंटर विशेष रूप से बिहार विधानसभा चुनाव से पहले दहशत फैलाने की कोशिश करने वाले कुख्यात अपराधियों के खिलाफ किया गया। दिल्ली पुलिस महानिदेशक (DGP) ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि एनकाउंटर में मारे गए लोग 'सिग्मा गैंग' के सदस्य थे। यह गैंग बिहार में चुनावी माहौल बिगाड़ने और भय पैदा करने की साजिश रच रहा था। DGP ने बताया कि गैंग का सरगना रमेश पाठक भी एनकाउंटर में मारा गया है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई में किसी भी तरह की कोताही नहीं हुई और यह पूरी तरह से कानून के दायरे में थी। एनकाउंटर के दौरान इलाके में भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया था। आसपास के लोग रात के समय गोलीबारी की आवाज सुनकर घबराए हुए थे। पुलिस ने कहा कि बदमाशों के पास भारी मात्रा में हथियार और गोलियां थीं, जिससे यह साफ होता है कि वे हिंसक और खतरनाक समूह से जुड़े थे। पुलिस की सटीक और त्वरित कार्रवाई ने बड़े हादसे को टालने में मदद की। विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार चुनाव जैसे संवेदनशील समय में इस तरह के अपराधियों की गतिविधियां चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती थीं। इसलिए दिल्ली और बिहार पुलिस की जॉइंट टीम ने पूर्व नियोजन के तहत इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। एनकाउंटर के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आसपास के इलाकों में गश्त तेज कर दी गई है। इस एनकाउंटर से यह भी संदेश गया है कि पुलिस राज्य या सीमा का फर्क नहीं करती और कानून का उल्लंघन करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। DGP ने यह भी कहा कि इस कार्रवाई से अपराधियों में भय पैदा होगा और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इस घटना के बाद बिहार और दिल्ली दोनों पुलिस विभागों की तारीफ हो रही है। साथ ही जनता में भी राहत की भावना है क्योंकि चुनाव से पहले दहशत फैलाने वाले अपराधियों का सफाया कर दिया गया। एनकाउंटर ने यह साबित कर दिया कि संयुक्त पुलिस ऑपरेशन और सटीक रणनीति से गंभीर अपराधियों को रोका जा सकता है।

इजराइल ने वेस्ट बैंक पर कब्जे के लिए संसद से मंजूरी पाई

-नेतन्याहू का विरोध जारी

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने गाजा पर हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद अब वेस्ट बैंक पर कब्जा करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। इजराइली संसद, नेसेट, ने इस संदर्भ में एक विवादित विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस कदम को लेकर राजनीतिक माहौल काफी गर्म है, क्योंकि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी लिकुड पार्टी इस फैसले के खिलाफ थे। विधेयक दक्षिणपंथी नोआम पार्टी के नेता अवी माओज द्वारा पेश किया गया था। संसद में कुल 120 सांसदों में से 25-24 के अंतर से यह विधेयक पास हुआ। यह अंतर बताता है कि इस मुद्दे पर राजनीतिक सहमति बेहद कमजोर है और कई नेता अलग-अलग कारणों से इसका समर्थन या विरोध कर रहे हैं। नेतन्याहू ने सार्वजनिक रूप से इस विधेयक के विरोध में रहने का संकेत दिया, क्योंकि उन्हें आशंका थी कि अगर यह कानून लागू हो गया तो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ इजराइल के संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ट्रम्प ने हाल ही में स्पष्ट किया था कि वेस्ट बैंक पर कब्जे की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, नेतन्याहू के विरोध के बावजूद, उनकी ही गठबंधन सरकार के कुछ प्रमुख सदस्य, जैसे कि राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर और वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच, ने विधेयक के पक्ष में वोट किया। इसने स्पष्ट कर दिया कि इजराइल मं् दक्षिणपंथी राजनीतिक दल इस मुद्दे को लेकर काफी दबाव डाल रहे हैं और सरकार के भीतर भी मतभेद गहरे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह कदम न केवल फिलिस्तीनी क्षेत्रों में स्थिरता को प्रभावित कर सकता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजराइल के लिए नई चुनौतियां भी खड़ी कर सकता है। वेस्ट बैंक पर कब्जे की प्रक्रिया से फिलिस्तीनी नागरिकों के अधिकारों और क्षेत्रीय सुरक्षा पर बड़ा असर पड़ सकता है। साथ ही, यह इजराइल और अमेरिका के बीच कूटनीतिक संबंधों में तनाव उत्पन्न कर सकता है।

पंजाब-चंडीगढ़ में रोडवेज यूनियन का चक्का जाम टला, हड़ताल 31 अक्टूबर तक स्थगित

जालंधर। पंजाब और चंडीगढ़ में रोडवेज कर्मचारियों का हड़ताल या चक्का जाम फिलहाल टल गया है। रोडवेज, पनबस और PRTC कॉन्ट्रैक्ट वर्कर यूनियनों ने सरकार के साथ हुई मीटिंग के बाद यह निर्णय लिया। यूनियन नेताओं का कहना है कि सरकार द्वारा बस टेंडर प्रक्रिया को फिलहाल स्थगित करने के कदम के मद्देनजर उन्होंने अपनी हड़ताल को 31 अक्टूबर तक स्थगित करने का फैसला किया है। यह निर्णय डिपो परिसरों में हुई लंबी और व्यापक चर्चा के बाद लिया गया। यूनियन ने यह भी साफ कर दिया कि अगर 31 अक्टूबर तक सरकार ने कोई ठोस और स्थायी समाधान नहीं निकाला, तो वे फिर से सख्त कदम उठाएंगे। यूनियन ने चेतावनी दी कि अगली बार बिना किसी पूर्व सूचना के बसें वहीं रोक दी जाएंगी, जहां वे होंगी, और हाईवे पर अचानक जाम किया जाएगा। इसका मतलब यह है कि कर्मचारियों का आंदोलन फिर तेज़ और अप्रत्याशित होगा, जिससे प्रशासन को तत्काल स्थिति संभालने में कठिनाई होगी। हालांकि फिलहाल तनावपूर्ण स्थिति टल गई है, लेकिन इससे पहले अमृतसर में चक्का जाम के दौरान कर्मचारियों और पुलिस के बीच झड़प की खबरें सामने आई थीं। कर्मचारी हाईवे पर उतरकर जोरदार नारेबाजी कर रहे थे और कई प्रदर्शनकारी बसों के नीचे लेटकर विरोध जताते हुए सड़क जाम कर चुके थे। यह स्थिति काफी तनावपूर्ण और चुनौतीपूर्ण थी। वहीं, जालंधर में आंदोलन शुरू होने से पहले ही पुलिस ने डिपो को घेरकर कर्मचारियों को बाहर जाने से रोक दिया। इसके विरोध में कर्मचारियों ने डिपो परिसर के अंदर ही धरना शुरू कर दिया। चंडीगढ़ में सरकार और यूनियन के प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत के बाद स्थिति सामान्य हो गई। इस वार्ता में कर्मचारियों की मांगों और सरकार के तर्कों को विस्तार से सुना गया और दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से फिलहाल हड़ताल स्थगित करने का निर्णय लिया। लुधियाना और अमृतसर में भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं ताकि कहीं भी अप्रिय स्थिति पैदा न हो। पुलिस ने हाईवे और डिपो क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात किया है ताकि कर्मचारियों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यूनियन नेताओं का कहना है कि उनका आंदोलन सिर्फ एक चेतावनी है, और उनका उद्देश्य बस कर्मचारियों के हक और हितों की रक्षा करना है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार के साथ बातचीत जारी रहेगी और अगर कोई स्थायी समाधान निकाला गया तो कर्मचारियों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। हालांकि, कर्मचारी मानसिक रूप से तैयार हैं कि अगर सरकार ने समय पर कोई कदम नहीं उठाया, तो आंदोलन को फिर से तेज़ गति से शुरू किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम से स्पष्ट है कि रोडवेज कर्मचारियों की मांगें गंभीर हैं और वे अपने हक के लिए दृढ़ हैं। सरकार की ओर से टेंडर प्रक्रिया स्थगित करना फिलहाल राहत देने वाला कदम है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील: टैरिफ घटकर 15% होने के आसार

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही व्यापार समझौते (ट्रेड डील) की संभावना बढ़ती जा रही है। हाल ही में सामने आई रिपोर्ट के अनुसार भारत की चुनिंदा वस्तुओं पर वर्तमान में लगने वाला 50% अमेरिकी टैरिफ घटकर केवल 15% हो सकता है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, इस डील में ऊर्जा और कृषि सेक्टर सबसे अहम विषय होंगे। भारत इन क्षेत्रों में कुछ रियायत देने के लिए तैयार है। अमेरिकी वार्ताकारों का दावा है कि भारत धीरे-धीरे रूस से कच्चे तेल की खरीद कम कर सकता है। इसके साथ ही, अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाज़ार को नॉन जीएम मक्का और सोयामील के लिए खोल दे। भारत ने इस पर स्पष्ट किया है कि घरेलू पोल्ट्री, डेयरी और एथेनॉल इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है और अमेरिकी उत्पादों के आयात से इन क्षेत्रों में खपत बढ़ सकती है। इसके बावजूद, भारतीय किसानों के हितों को प्रभावित नहीं किया जाएगा। भारत फिलहाल सालाना लगभग 5 लाख टन मक्का अमेरिका से आयात करता है। ट्रेड डील के तहत अगर टैरिफ घटता है, तो भारत को सस्ते अमेरिकी उत्पाद मिलेंगे और अमेरिकी किसानों को भी भारतीय बाज़ार में नई संभावनाएँ मिलेंगी। इसके साथ ही, ऊर्जा और कृषि के क्षेत्र में सहयोग बढ़ने से दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी मजबूत होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समझौता दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। अमेरिका को अपने कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने का मौका मिलेगा

ट्रम्प का दावा: भारत दिसंबर तक रूस से तेल की खरीद बंद करेगा

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फिर एक बार भारत और रूस के बीच तेल खरीद को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत धीरे-धीरे रूस से तेल की खरीद बंद कर रहा है और साल के अंत तक इसे लगभग पूरी तरह खत्म कर देगा। ट्रम्प ने इस बारे में भरोसा यह कहते हुए जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया है। व्हाइट हाउस में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि "तेल खरीदना तुरंत बंद करने वाली चीज़ नहीं है, लेकिन भारत दिसंबर तक इसे शून्य कर देगा। यह बहुत बड़ी बात है क्योंकि यह लगभग 40 प्रतिशत तेल की मात्रा है।" उन्होंने यह भी कहा कि कल ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से इस विषय पर बात की थी और दोनों नेताओं ने इसे लेकर चर्चा की। विशेष रूप से ध्यान देने वाली बात यह है कि पिछले एक हफ्ते में यह पांचवीं बार है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस से भारत की तेल खरीद को मुद्दा बनाया है। ट्रम्प लगातार इस पर जोर दे रहे हैं और इसे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा नीति और वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बता रहे हैं। रूस से तेल आयात भारत के लिए लंबे समय से जरूरी रहा है, खासकर ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू मांग को पूरा करने के लिए। लेकिन अमेरिका की लगातार अपील और वैश्विक आर्थिक दबाव के चलते भारत अपनी तेल खरीद में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। इस बीच, ट्रम्प का बयान यह संकेत देता है कि अमेरिका भारत को इस मामले में अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, भारत और रूस के बीच तेल व्यापार को धीरे-धीरे कम करना न केवल वैश्विक दबाव का परिणाम है

पंजाब में पैसों की तंगी के चलते घर पर पटाखा बनाने का हादसा: 1 की मौत, 6 घायल

पंजाब। पंजाब के गुरदासपुर जिले से एक दुखद खबर सामने आई है। सोमवार रात को 19 साल के एक युवक की घर पर पटाखे बनाने के दौरान हुए धमाके में मौत हो गई, जबकि इस हादसे में उसके परिवार के छह और सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इस हादसे के पीछे पैसों की तंगी का कारण रहा। मृतक और उसके भाई ने आर्थिक मजबूरी के चलते घर पर ही पटाखे बनाने की कोशिश की, ताकि त्योहार के मौसम में कुछ आमदनी जुटा सकें। घटना देर रात लगभग 10 बजे हुई। मृतक मनप्रीत सिंह और उनका भाई लवप्रीत सिंह अपने घर पर पोटाश के जरिए पटाखा बनाने का काम कर रहे थे। अचानक किसी वजह से विस्फोट हो गया, जिससे पूरी जगह में धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनकर परिवार और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और उन्हें तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना में मनप्रीत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लवप्रीत की स्थिति गंभीर बताई जा रही है और उसे तत्काल अमृतसर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में घायल हुए छह अन्य परिवारिक सदस्य भी गंभीर रूप से झुलस गए हैं। उनमें से कई की हालत नाजुक है। स्थानीय पुलिस ने सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में प्राथमिक इलाज के लिए भेजा है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने बताया कि विस्फोटक सामग्री कहां से आई, इसकी अभी जांच चल रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह पटाखा घर पर ही तैयार किया जा रहा था, और सुरक्षा के नियमों की बिल्कुल भी परवाह नहीं की गई थी। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार के हादसे अक्सर त्योहारों के समय घर पर पटाखा बनाने या अवैध पटाखा निर्माण की वजह से होते हैं। गरीब या आर्थिक रूप से कमजोर लोग कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने के लिए घरेलू तरीके से पटाखा बनाने का प्रयास करते हैं, लेकिन इसके परिणाम अक्सर गंभीर और घातक होते हैं। यह घटना भी इस बात का प्रमाण है कि पैसों की तंगी और गैरकानूनी तरीके से कमाई की चाह में लोग अपनी और अपने परिवार की जान जोखिम में डाल देते हैं। गुरदासपुर पुलिस ने बताया कि विस्फोटक सामग्री की आपूर्ति का स्रोत और इसे खरीदने का तरीका स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने आसपास के दुकानों और सप्लायरों से भी पूछताछ शुरू कर दी है। इसके अलावा, प्रशासन ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि कोई और व्यक्ति इस प्रकार के खतरनाक प्रयोग में शामिल न हो। स्थानीय लोग और पड़ोसी इस हादसे से बेहद दुखी हैं। कई लोगों ने कहा कि घर पर पटाखा बनाने की कोशिश कई बार खतरनाक साबित हो चुकी है और परिवारों को इसके लिए चेताया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के गैरकानूनी और जोखिम भरे प्रयासों को रोकने के लिए प्रशासन को और सख्त कदम उठाने की जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि पोटाश और अन्य रसायनों का इस्तेमाल घर पर पटाखे बनाने में बेहद खतरनाक होता है। थोड़ी सी चूक भी बड़ा विस्फोट पैदा कर सकती है। इसलिए परिवार और स्थानीय प्रशासन को मिलकर जागरूकता फैलानी चाहिए और लोगों को घरेलू तरीके से पटाखा बनाने के खतरों के बारे में अवगत कराना चाहिए। यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि आर्थिक तंगी और पैसों की कमी कई बार लोगों को खतरनाक रास्तों पर ले जाती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,